दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-45 सीहोर, गुरूवार 02 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

जनगणना-2027 की शुरुआत, डिजिटल स्व-गणना के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सर्वे अभियान आरंभ

नई दिल्ली, (ए.)। देश में जनगणना-2027 के तहत विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभियान की औपचारिक शुरुआत बुधवार को हो गई। केंद्र सरकार ने पहले चरण 'मकानसूचीकरण और मकानों की गणना' (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन) की शुरुआत करते हुए इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में संचालित करने का निर्णय लिया है। खास बात यह है कि पहली बार नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे वे स्वयं ऑनलाइन अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकते हैं। देश की परंपरा को कायम रखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सबसे पहले स्व-गणना कर इस राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपनी-अपनी स्व-गणना पूरी की।प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करें और इस

महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने जनगणना को विकास योजनाओं की आधारशिला बताते हुए इसे जनभागीदारी से सफल बनाने पर जोर दिया।केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच देशभर में किया जाएगा। इस चरण में घरों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं, परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे से जुड़ी विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सरकार के अनुसार, इस चरण के लिए कुल 33 प्रश्न अधिसूचित किए गए हैं, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और लक्षित कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेंगे।प्रारंभिक चरण में स्व-गणना की सुविधा आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू की गई है, जिनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम और दिल्ली के नई दिल्ली नगरपालिका परिषद तथा दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र शामिल हैं। पहले ही दिन इन क्षेत्रों से लगभग 55 हजार परिवारों ने स्व-गणना सुविधा का उपयोग किया, जो इस डिजिटल पहल के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता और सहभागिता को दर्शाता है। सरकार के अनुसार, स्व-गणना एक सुरक्षित वेब-आधारित प्रणाली है, जो 16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। इसके तहत नागरिक अपने मोबाइल नंबर और बुनियादी पहचान संबंधी जानकारी का उपयोग कर निर्धारित पोर्टल पर लॉग इन कर सकते हैं।

महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

मध्य प्रदेश में अप्रैल में बदलेगा मौसम का मिजाज, पहले सप्ताह आंधी-बारिश, फिर 15 से पड़ेगी भीषण गर्मी

भोपाल, (ए.) । मध्य प्रदेश में अप्रैल का महीना मौसम के बड़े उतार-चढ़ाव के साथ शुरू हो रहा है। जहां महीने के पहले सप्ताह में आंधी, बारिश और ओलों का असर देखने को मिलेगा, वहीं 15 अप्रैल के बाद प्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में आ जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, 1 से 4 अप्रैल तक प्रदेश के लगभग आधे हिस्से में मौसम खराब रहने का अलर्ट जारी किया गया है। आज बुधवार को इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर सहित कुल 29 जिलों में चेतावनी दी गई है। अगले 24 घंटों में ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार और बड़वानी में मौसम बदलने की संभावना है। पिछले दो दिनों से प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। 12 जिलों में ओलावृष्टि दर्ज की गई, जबकि 41 से अधिक जिलों में तेज आंधी और बारिश का असर रहा। मंगलवार को धार जिले के कुक्षी और मनावर में ओले गिरे, वहीं कई जगह रात में भी मौसम सक्रिय रहा। हालांकि, इन बदलावों के बीच गर्मी का असर भी कम नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र के जालना में ट्रक ने 10 महिला मजदूरों को रौंदा, सात की मौत, तीन घायल

मुंबई, (ए.)। महाराष्ट्र के जालना में बुधवार शाम को बड़ा हादसा हुआ। यहां समृद्धि हाईवे पर जनवाड़ी-कदवंची इलाके के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सफाई का काम कर रही 10 महिला मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि तीन घायल हो गई हैं। जालना पुलिस घटनास्थल पर राहत और बचाव का कार्य कर रही है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये महिलाएं समृद्धि हाईवे पर सफाई का काम कर रही थीं। शाम छह बजे के करीब मुंबई की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने इन महिला मजदूरों को रौंद दिया। इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन मजदूर घायल हो गईं। तीनों को तत्काल जालना शासकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

एसआईआर पर टीएमसी की आपत्तियों पर सुप्रीम कोर्ट..बेबुनियाद मानकर किया खारिज

आयोग के वकील ने बताया, गुरुवार से ट्रिब्यूनल में सुनवाई भी शुरू होगी

नई दिल्ली,(ए.)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के पत्र के मुताबिक 7 अप्रैल तक वोटर आईडी से जुड़ी सभी आपत्तियों का निपटारा होगा। चुनाव आयोग के वकील ने सुनवाई के दौरान बताया कि अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए प्रशिक्षण शुरू किया जा चुका है और गुरुवार से ट्रिब्यूनल में सुनवाई भी शुरू होगी। कलकत्ता

हाईकोर्ट के पत्र के मुताबिक राज्य में 19 अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित किए हैं, जिनकी अगुवाई रिटायर्ड चीफ जस्टिस कर रहे हैं। अपीलीय न्यायाधिकरण में केवल वे लोग जा सकते हैं जिनके नाम दावे और आपत्ति के दौरान कटे हैं।सुप्रीम कोर्ट ने रोजाना निपटा रहे मामलों की संख्या पर संतोष जाहिर किया है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि प्रतिदिन पौने दो लाख से दो लाख तक आपत्तियों पर सुनवाई हो रही है। सुनवाई के दौरान टीएमसी के वकील ने चुनाव आयोग के अधिकारियों के हस्तक्षेप की आशंका जाहिर की, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने बेबुनियाद मनाकर खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब अपीलीय न्यायाधिकरण किसी व्यक्ति के मतदाता सूची में शामिल या न होने का निर्णय दे, तब इसके पीछे का कारण सूची में दर्ज करे। यह अंतिम सूची तय करेगी कि व्यक्ति अपने मतदान का अधिकार प्रयोग कर सकेगा या नहीं।

चारधाम यात्रा के लिए अब तक 11 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

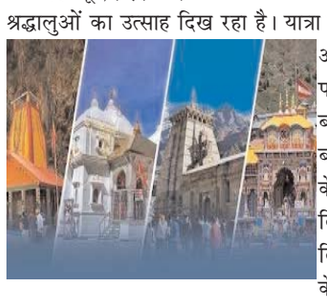

देहरादून,(ए.)। इस वर्ष भी उत्तराखंड के चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह दिख रहा है। यात्रा के लिए अब तक पंजीकरण का

आंकड़ा 11 लाख से अधिक पहुंच गया है। बुधवार सायं 4:59 बजे जारी पंजीकरण बुलेटिन में बताया गया है कि यमुनोत्री धाम के लिए 1,97,944, गंगोत्री के लिए 2,02,927, केदारनाथ के लिए 3,72,732, बद्रीनाथ धाम के के लिए 3,27,276 और हेमकुंड साहिब के लिए 6,962 लोगों ने पंजीकरण कराया है। इस प्रकार अब तक 11,07,841 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। वहीं, राज्य के हरिद्वार, ऋषिकेश गुरुद्वारा, नयागांव, हर्बर्टपुर और ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप में भी फिजिकल पंजीकरण केंद्र ऑफलाइन कराने की भी व्यवस्था है। सबसे अधिक पंजीकरण केदारनाथ और इसके बाद बदरीनाथ धाम के लिए दर्ज किया गया है। प्रशासन ने यात्रा को सुचारु बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं से आधिकारिक माध्यमों से ही पंजीकरण कराने की अपील की गई है।

"स्कूल चले हम" अभियान बच्चों को शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 का किया शुभारंभ

- वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 1 करोड़ 45 लाख विद्यार्थियों के नामांकन का है लक्ष्य

भोपाल(ए.) । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के विकास के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

मार्गदर्शन में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक स्कूल चले हम अभियान चलेगा और बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल स्थित मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राज्य स्तरीय प्रवशोत्सव कार्यक्रम-2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर बच्चों को नि:शुल्क साइकिलें और पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं एवं उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय स्कूलों में ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने पर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिससे वर्ष 2025-26 में कुल नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 32.4 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है। यह शासकीय स्कूलों पर बढ़ते विश्वास का परिचायक है। राज्य सरकार ने मौजूदा सत्र में स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख नामांकन करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 369 भव्य सांदीपनि विद्यालयों की शुरुआत की गई है, जो देश में सबसे अच्छे स्कूल हैं। मध्यप्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। पीएमश्री स्कूल भी आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में महती भूमिका निभा रहे हैं।

कांग्रेस ने एसआईआर विरोधी आंदोलन का साथ नहीं दिया : ममता बनर्जी

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के आंदोलन को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया और पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के समर्थन में भी आगे नहीं आई। मुर्शिदाबाद जिले के नबग्राम में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, मैंने कई बार उनसे विशेष सघन पुनरीक्षण के खिलाफ संयुक्त रूप से आंदोलन करने तथा भारत निर्वाचन आयोग के पास साथ जाने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने हमारी अपील स्वीकार नहीं की। जब पुनरीक्षण का काम चल रहा था तब उन्होंने जनता की चिंता नहीं की। उस समय केवल तृणमूल कांग्रेस के बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही मतदाताओं के साथ खड़े थे। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग पर दक्षिण कोलकाता स्थित उनके विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर को विशेष रूप से निशाना बनाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, भवानीपुर में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। फिर भी मैं चुनाव लड़ूंगी और अंतत: जीतूंगी।मुख्यमंत्री के अनुसार पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान अल्पसंख्यक, जनजातीय तथा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को निशाना बनाया गया।

पश्चिम बंगाल में मुसलमानों को सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल किया गया : असदुद्दीन ओवैसी

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी मुर्शिदाबाद पहुंचे थे। बुधवार को उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों ने मुसलमानों का केवल वोट के लिए इस्तेमाल किया, लेकिन उनके विकास के लिए ठोस काम नहीं किया।ओवैसी ने मुर्शिदाबाद जिले के नोवादा में हुमायूं कबीर के नेतृत्व वाले आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह दावा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस, वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस को वोट दिया, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का केरलमवासियों को भावुक संदेश..मैं मानद केरलवासी घोषित

नई दिल्ली (ए.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान खुद को मानद केरलवासी घोषित कर दिया। हालांकि उनका जन्म केरल में नहीं हुआ था। राहुल गांधी ने

केरल की विभाजन पर एकता की प्राथमिकता पर जोर दिया और हमेशा लोगों के साथ खड़े रहने का वादा किया। उन्होंने पोस्ट कर कहा कि भले ही मेरा जन्म केरल में न हुआ हो, लेकिन मैं मानद केरलवासी हूँ। केरल घृणा पर प्रेम, अहंकार पर विनम्रता, क्रोध पर आशा और विभाजन पर एकता को चुनता है।

इसके पहले कोझिकोड में राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को ईंधन की कीमतों में संभावित वृद्धि और मुद्रास्फीति से जोड़कर एक आगामी वित्तीय भूकंप की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि मध्य पूर्व में क्या हो रहा है...एक त्रासदी घट रही है, और कोई नहीं जानता कि इसका अंत कहाँ होगा। केरल और भारत के लोग सीधे तौर पर प्रभावित होने वाले है। ईंधन की कीमतें बढ़ने वाली हैं। मुद्रास्फीति बढ़ने वाली है। अब से एक या दो महीने में, एक वित्तीय भूकंप आने वाला है।राहुल गांधी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच नागरिकों को समर्थन देने के प्रयासों पर सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर उठाकर जनसभा में कहा कि पीएम मोदी कुछ नहीं कर सकते। उन्हें डोनाल्ड ट्रंप चला रहे हैं। लेकिन केरल सरकार आपकी सुरक्षा के लिए क्या कर रही है? केरल सरकार आपका जीवन आसान बनाने के लिए क्या कर रही है?

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 13 हजार 376 करोड़ का राजस्व संग्रहण किया

भोपाल(निप्र)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 13 हजार 376 करोड़ रूपए का नगद राजस्व संग्रहण किया। यह पिछले वित्तीय वर्ष से चार सौ करोड़ रूपए ज्यादा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर मार्च 2026 में राजस्व संग्रहण के लिए मालवा निमाड़ के इंदौर सहित 15 जिलों में बिजली देयकों की वसूली के लिए महा-अभियान संचालित किया, मार्च के पहले दो सप्ताह में पांच से छः हजार एवं अंतिम सप्ताह में करीब 10 हजार कार्मिकों ने राजस्व जुटाने के लिए हर संभव कोशिश की। कार्मिकों ने उपभोक्ताओं के घर, दुकान, खेत, खलिहान, बाजार, हाट बाजार, पंचायत भवन इत्यादि तक पहुंचकर बिल राशि राजस्व रूप में जमा कराने के लिए विशेष प्रयास किए। इसी कारण मार्च में करीब तीस लाख उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की वसूली की गई। यह करीब 1410 करोड़ रूपए रही। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान बारह माह का नकद राजस्व संग्रहण 13 हजार 376 करोड़ रूपए रहा। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बिजली देयकों को जमा करने पर घरेलू उपभोक्ताओं, कृषि उपभोक्ताओं, व्यापारिक एवं औद्योगिक श्रेणी के उपभोक्ताओं का आभार माना है। श्री सिंह ने कहा कि कंपनी गुणवत्तापूर्ण बिजली प्रदाय के लिए प्रतिबद्ध हैं एवं हजारों कार्मिक पंद्रह जिलों के उपभोक्ताओं की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।

मप्र में श्रमिकों के वेतन में बढ़ोतरी, एक अप्रैल से नई दरें लागू

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के करीब 50 लाख श्रमिकों के वेतन में नए वित्त वर्ष से बढ़ोतरी की गई है। श्रम विभाग मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। बुधवार, 1 अप्रैल से नई न्यूनतम वेतन दरें लागू कर दी हैं। जारी आदेश के अनुसार, परिवर्तनशील महंगाई भत्ते के कारण श्रमिकों के वेतन में औसतन नौ रुपये प्रतिदिन यानी करीब 234 रुपये मासिक की बढ़ोतरी हुई है। इसका फायदा सरकारी विभागों के करीब 10 लाख और निजी सेक्टर व उद्योगों के लगभग 40 लाख श्रमिकों को मिलेगा। श्रमायुक्त तन्वी हुड्डा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जुलाई-दिसंबर 2025 के औसत महंगाई सूचकांक में वृद्धि के चलते यह संशोधन किया गया है। नई दरें न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 के तहत 67 श्रेणियों के श्रमिकों पर लागू होंगी।आउटसोर्स कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों को केंद्र के समान करीब 26 हजार रुपये मासिक वेतन की उम्मीद थी, लेकिन नई दरों में सीमित बढ़ोतरी से निराशा हुई है।

मंत्रालय में राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का सामूहिक गायन हुआ

भोपाल (ए.)। अप्रैल माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर बुधवार को मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अशोक बर्णवाल, संजय कुमार शुक्ला सहित मंत्रालय वल्लभ भवन, सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

सीएमटीसी पोर्टल से ग्रामीण सेवा प्रबंधन होगा डिजिटल

एसआरएलएम में सीएमटीसी सेवाओं की बुकिंग एवं प्रबंधन को मिला केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म

भोपाल (ए.)। ग्रामीण सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन और डिजिटल पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कम्युनिटी मैनेज्ड ट्रेनिंग सेंटर सीएमटीसी पोर्टल शुरू किया गया है।यह पोर्टल मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (एसआरएलएम) के लिए तैयार किया गया यह पोर्टल सीएमटीसी सेवाओं की बुकिंग और प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। इससे सेवा प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और कार्यकुशलता सुनिश्चित होगी। सीएमटीसी पोर्टल के माध्यम से उपयोगकर्ताओं का व्यवस्थित पंजीयन, रोल बेस्ड एक्सेस कंट्रोल और ब्लॉक एवं जिला स्तर पर बुकिंग और अनुमोदन की स्वचालित व्यवस्था संभव हो सकेगी। इससे मैनुअल प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम होगी, प्रक्रियागत त्रुटियों में कमी आएगी और प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनेगी। पोर्टल में स्वचालित सूचना प्रणाली और डिजिटल अनुमोदन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित संवाद सुनिश्चित हो सकेगा। प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास में तकनीक के अधिकतम उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है। डिजिटल पहल से न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता सुदृढ़ होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा वितरण प्रणाली भी अधिक जवाबदेह, सुलभ और प्रभावी बनेगी। यह पहल मध्यप्रदेश को तकनीक आधारित सुशासन, नवाचार और ग्रामीण सशक्तिकरण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मांडू स्वदेश दर्शन योजना के लिए डेस्टीनेशन मैनेजमेंट कमेटी गठित

भोपाल (ए.)। भारत सरकार की चैलेंज बेस डेस्टिनेशन डेवलपमेंट सब-स्कीम स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की गाइडलाइन्स द्वारा माण्डू जिला-धार की स्वीकृति प्राप्त हुई है। राज्य शासन ने डेस्टीनेशन मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया है।सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए है। कमेटी में जिला कलेक्टर, धार को अध्यक्ष बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक जिला धार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद माण्डू जिला धार यदि प्रस्तावित क्षेत्र नगरीय क्षेत्र में है, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जिला धार (यदि प्रस्तावित क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र में है), कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जिला धार, सहा. संचालक, जनसंपर्क विभाग जिला धार, जिला महा प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र जिला धार, प्राचार्य शासकीय तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान, जिला धार, कलेक्टर धार द्वारा नामांकित जिला प्रमुख/विभाग के प्रतिनिधि पर्यटन, और कलेक्टर धार द्वारा नामांकित पर्यटन उद्योग के दो प्रतिनिधि, सदस्य होंगे। अध्यक्ष किसी भी अन्य विभाग/संस्था के प्रतिनिधि को विशेष आमंत्रित के रूप में आवश्यकतानुसार आमंत्रित कर सकेगें। कलेक्टर एवं चेयरपर्सन डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कमेटी माण्डू जिला-धार, जिले के पर्यटन उद्योग से जुडे हुये दो प्रतिनिधियों तथा पर्यटन से जुडे हुये विभाग के प्रतिनिधि को नामांकित कर इसकी सूचना पर्यटन विभाग एवं म.प्र. पर्यटन बोर्ड को प्रेषित करेंगे एवं विकास कार्यों की देखरेख के लिए अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी को कमेटी के सदस्य सचिव के रूप में अधिकृत कर सकेंगे। उक्तानुसार गठित कमेटी पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की चैलेंज बेस डेस्टिनेशन डेवलपमेंट सब-स्कीम स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की निर्धारित गाईडलाईन्स के अनुसार उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेगी।

धर्म नगरी वाराणसी में 3 से 5 अप्रैल तक होगा महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का ऐतिहासिक मंचन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वाराणसी में ऐतिहासिक मंचन से सांस्कृतिक नवजागरण का होगा उदय

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय काल-गणना के प्रणेता और न्यायप्रियता के प्रतीक चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य की गाथा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी की गलियों में प्रतिध्वनित होगी। धर्म और संस्कृति की नगरी वाराणसी के बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में आगामी 3 से 5 अप्रैल, 2026 (विक्रम संवत् 2083, वैशाख कृष्ण पक्ष) तक भारत के स्वाभिमान और विकास की गाथा का भव्य उत्सव मनाया जाएगा। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस त्रि-दिवसीय कार्यक्रम में महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का ऐतिहासिक मंचन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में यह आयोजन भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों को जीवंत करेगा। इस गरिमामय समारोह का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में होगा। इस वृहद आयोजन का उद्देश्य देश के गौरवशाली इतिहास, विक्रम संवत् की वैज्ञानिकता और उस युग के अनुपम योगदान से जन-मानस को परिचित कराना है।

बाबा विश्वनाथ को विक्रमादित्य वैदिक घड़ी करेंगे अर्पित

प्राचीन भारतीय कालगणना के ऐतिहासिक केंद्र उज्जैन में पिछले वर्ष विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की

सफल स्थापना के बाद, अब इसे देश के अन्य ज्योतिर्लिंगों तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भारतीय काल गणना की समृद्ध विरासत को पुनर्जीवित करने के इस प्रयास अन्तर्गत वाराणसी में सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ को यह वैदिक घड़ी समर्पित की जा रही है। इस घड़ी की विशेषता न केवल इसकी पारंपरिक गणना पद्धति है, बल्कि इसका डिजिटल विस्तार भी है। इसके लिए एक विशेष ऐप भी लॉन्च किया गया है जो विश्व की 180 से अधिक भाषाओं में समय और पंचांग की जानकारी उपलब्ध करा रहा है। उज्जैन से शुरू होकर काशी के गलियारों तक पहुँचने वाली यह पहल न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध कर रही है, बल्कि भारतीय वैज्ञानिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पुनः स्थापित करने का कार्य भी कर रही है।

महानाट्य के सांस्कृतिक गौरव की निरंतर यात्रा

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की यात्रा वर्ष 2007 में प्रारंभ हुई थी। सफलता के सोपान चढ़ते हुए इस नाटक का मंचन अब तक उज्जैन, भोपाल, आगरा और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में किया जा चुका है, जहाँ हज़ारों दर्शकों ने इसे सराहा है। अप्रैल 2025 में दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर आयोजित इसके मंचन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी विशेष रूप से सराहा था। उन्होंने इस प्रस्तुति को सम्राट विक्रमादित्य के वैभव और भारतीय गौरव को जन-जन तक पहुँचाने का एक अनुकरणीय प्रयास बताया।

महानाट्य विक्रमादित्य: शौर्य और न्याय का संगम

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य उज्जैनी के महान सम्राट के जीवन, उनके अदम्य साहस और न्यायप्रियता को जीवंत करता है। नाटक के माध्यम से 57 ईसा पूर्व प्रारंभ हुए विक्रम संवत् के ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्व को सशक्त संवादों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। दर्शकों को इसमें जहाँ सिंहासन बत्तीसी और बेताल पच्चीसी के रोचक प्रसंग देखने को मिलेंगे, वहीं भविष्य पुराण के गंभीर संदर्भों से भी परिचय होगा।

मानसून पूर्व मेंटिनेंस कार्यों का एसई और सीई करें निरीक्षण : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (ए.)। मानसून पूर्व वितरण ट्रांसफार्मर एवं विद्युत लाईनों के मेंटिनेंस कार्यों का निरीक्षण एसई और सीई नियमित रूप से करें। बेहतर मेंटिनेंस होने पर ट्रिपिंग की समस्या दूर होगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश बुधवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि मेंटिनेंस के दौरान गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करें। सामग्री के उपयोग से पहले उसका लैब में परीक्षण भी होना चाहिए। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि समाधान योजना की अवधि 15 मई तक बढ़ा दी गई है। सभी बड़े एवं छोटे बकायदारों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर योजनांतर्गत वसूली की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि पहले बड़े बकायदारों से वसूली की कार्यवाही करें। वसूली की कार्यवाही अप्रैल माह से ही प्रारंभ कर दें। इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा करें। गलत बिजली बिलों में सुधार तुरंत होना चाहिए। जहां पर स्टाफ की ज्यादा कमी है, वहां पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं लेने की कार्ययोजना बनाएं।

मध्यप्रदेश पुलिस की वाहन चोरों पर प्रभावी कार्यवाही

विगत एक माह में 109 चोरी किए गए दोपहिया वाहन बरामद

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में वाहन चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु लगातार सख्त एवं सुनियोजित कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी क्रम में विगत एक माह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चोरों के गिरोहों का पर्दाफाश करते हुए 109 चोरी किए गए दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।

जबलपुर

थाना माढोताल पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर एवं वाहन काटने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए जबलपुर एवं रायपुर (छत्तीसगढ़) से चोरी किए गए 15 वाहन जप्त किए। इसी प्रकार थाना लाडगंज पुलिस ने 2 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 वाहन बरामद किए, जबकि थाना पाटन पुलिस द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार कर 7 दोपहिया वाहन जप्त किए गए। इस प्रकार तीनों कार्यवाहियों में पुलिस ने चोरी किए गए 34 दुपहिया वाहन बरामद किए हैं।

राजगढ़

थाना ब्यावरा सिटी पुलिस ने अंतरजिला मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का पर्दाफाश कर 2 आरोपियों से 15 मोटरसाइकिलें जप्त कीं। वहीं थाना सुठालिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 चोरी की गई मोटरसाइकिलें बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इस प्रकार दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने चोरी किए गए कुल 25 वाहन बरामद किए हैं।

रतलाम

रतलाम पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 09 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इस कार्रवाई में 1 मुख्य आरोपी एवं 3 बाल अपचारियों को पकड़ा।वहीं थाना स्टेशन रोड पुलिस ने भी 4 मोटरसाइकिलें बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इस प्रकार कुल 13 मोटरसाइकिलें बरामद की गई। बैतूल जिले में भैंसदेही पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय वाहन चोरो को गिरफ्तार कर 10 मोटरसाइकिलें, खरगोन पुलिस ने 7 मोटरसाइकिल, ग्वालियर जिले में 5 वाहन, गुना जिले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 मोटरसाइकिलें, शिवपुरी जिले में 4,मंदसौर जिले में 3 मोटरसाइकिलें तथा शाजापुर एवं कटनी जिलों में 2-2 मोटरसाइकिल बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी कार्यवाहियों में पुलिस की तत्परता, तकनीकी साक्ष्यों का उपयोग एवं प्रभावी समन्वय प्रमुख रूप से सामने आया है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा वाहन चोरी जैसे अपराधों पर नियंत्रण हेतु सतत अभियान जारी है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

प्रधान आरक्षक पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

होटल में बिना किराया रहने का आरोप

भोपाल, (ए.)। पुलिस ट्रेनिंग स्कूल, ग्वालियर में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक स्तर के पुलिसकर्मी के विरुद्ध पुलिस मुख्यालय भोपाल स्थित सतर्कता थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 11 के अंतर्गत अपराध क्रमांक 01/26 पंजीबद्ध किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपराध पंजीबद्ध करने से पूर्व की गई सूचना सत्यापन प्रक्रिया में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित पुलिसकर्मी वर्ष 2024 में प्रतिनियुक्ति के दौरान इंदौर जिले में पदस्थ रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग कर लगभग डेढ़ माह तक एक होटल के कमरे में बिना किराया भुगतान किए निवासरत रहे। इस दौरान उन्होंने होटल से करीब 1.5 लाख रुपये का असम्यक लाभ प्राप्त किया। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि उक्त पुलिसकर्मी ने इस अवधि में अपने वास्तविक पद से उच्च पद की निर्धारित वर्दी धारण की, जिससे होटल प्रबंधन किराया मांगने की कोशिश न करे। उक्त प्रकरण में अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। संबंधित तथ्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि संबंधित पुलिसकर्मी के विरुद्ध पूर्व में भी ग्वालियर जिले में एक अन्य अपराध पंजीबद्ध है, जिसकी विवेचना वर्ष 2021 से प्रचलित है।

राज्य शिक्षा केन्द्र के आरटीई पोर्टल पर मिलेगी आवंटित शाला की जानकारी

निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन लॉटरी गुरुवार को

भोपाल, (निप्र.)। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा गुरुवार दोपहर 2 बजे निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत अशासकीय स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन लॉटरी निकाली जाएगी, जिसका सीधा प्रसारण राज्य शिक्षा केन्द्र के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा।आवेदक दोपहर 2:15 बजे के बाद बच्चों को आवंटित शाला की जानकारी आरटीई पोर्टल www.rteportal.mp.gov.in पर देख सकेंगे। साथ ही आवंटन पत्र भी डाउनलोड कर सकेंगे। इसके साथ ही आवेदकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से जानकारी भेजी जायेगी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 12(1)(C) के अंतर्गत, गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में, वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को कक्षा-1 या प्री-स्कूल की प्रथम प्रवेशित कक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत सीटों पर निःशुल्क प्रवेश का प्रावधान है।

'महंगाई का सरकारी हमला ': गैस सिलेंडर के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी से रसोई हुई बेहाल: विभा पटेल

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि नए वित्त वर्ष के पहले ही दिन केंद्र की भाजपा सरकार ने आम जनता और छोटे व्यापारियों पर महंगाई का ऐसा 'सीधा हमला' किया है, जिसने रसोई से लेकर कारोबार तक की कमर तोड़ दी है। उन्होंने आक्रामक अंदाज में आरोप लगाया कि भाजपा की केंद्र सरकार की जनविरोधी, पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाली और पूरी तरह विफल नीतियों का खामियाजा अब देश की आम जनता भुगत रही है। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 195 रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा- यह वही भाजपा सरकार है जिसने महज 25 दिन पहले घरेलू सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर आम आदमी की रसोई पर पहला वार किया था, और अब दूसरा वार कमर्शियल गैस पर कर दिया गया है। 'यह महंगाई नहीं, बल्कि सुनियोजित आर्थिक शोषण है। श्रीमती विभा पटेल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आम आदमी की परेशानियों से पूरी तरह बेखबर है और सिर्फ बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने में लगी हुई

है। प्रदेश के 50 हजार से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट को जरूरत का मात्र 9% सिलेंडर मिलना इस सरकार की नाकामी और अव्यवस्था का जीता-जागता उदाहरण है। गैस की कमी और महंगाई ने व्यापारियों को डीजल भट्ठी और महंगे इंडक्शन जैसे विकल्प अपनाने पर मजबूर कर दिया है, जिससे लागत और भी बढ़ गई है।

उन्होंने बताया कि भोपाल में 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 2084 रुपए, इंदौर में 2186, जबलपुर में 2295, ग्वालियर में 2307 और उज्जैन में 2251 रुपए तक पहुंच चुका है। रीवा में यह कीमत 2331 रुपए हो गई है, जबकि कई जिलों में यह 2300 रुपए से ऊपर जा चुकी है। 'क्या यही अच्छे दिन हैं, जहां रसोई चलाना भी एक लग्जरी बनता जा रहा है?' उन्होंने सवाल उठाया। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार ने छोटे उपभोक्ताओं को भी नहीं छोड़ा है। 5 किलो वाले एफटीएल सिलेंडर पर 51 रुपए की बढ़ोतरी कर मिडिल क्लास, छात्रों और छोटे कामगारों पर सीधा प्रहार किया गया है। यह वही वर्ग है जो पहले से ही बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती आय के बीच जूझ रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, ' भाजपा सरकार की नीतियां देख कर लगता है कि अब आम आदमी को या तो खाना कम करना पड़ेगा या फिर अपनी जरूरतें ही खत्म करनी पड़ेंगी।' कमर्शियल गैस महंगी होने का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, कैंटीन और टिफिन सेवाओं पर पड़ेगा, जो अंततः आम उपभोक्ताओं से ही वसूला जाएगा।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि यह महंगाई नहीं, बल्कि जनता के खिलाफ एक 'आर्थिक साजिश' है। अगर भाजपा सरकार ने जल्द ही इन बेलगाम कीमतों पर लगाम नहीं लगाई, तो जनता सड़कों पर उतरकर जवाब देगी और इस जनविरोधी नीति के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

कलेक्टर ने देखी जिला अस्पताल की सेवाएं, एम्स के सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के दिए निर्देश

भोपाल (निप्र)। बुधवार को कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जयप्रकाश जिला चिकित्सालय की चिकित्सा सेवाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों और मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया गया।इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन,आरएमओ डॉ. प्रेमेंद्र शर्मा उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय की सेवाओं को सतत रूप से बेहतर करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सहयोग से चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के ज्ञान और तकनीकी कौशल का उन्नयन किया जाए। इसके लिए एम्स के विषय विशेषज्ञों के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जावे। इलाज की गुणवत्ता के साथ - साथ स्टाफ का मरीजों से संवाद और व्यवहार भी अच्छा हो। अस्पताल में पार्किंग टेंडर में विलंब पर नाराजगी जाहिर करते हुए जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए। इस सम्बन्ध में सिविल सर्जन द्वारा अवगत करवाया गया कि निविदा की प्रक्रिया की जा रही है और इसे जल्द ही पूरा किया जाएगा।

जनजातीय परिवारों की नई पीढ़ी की शिक्षा के लिए संकल्पित सरकार : मंत्री डॉ. शाह

बच्चों को स्कूल भेजने की अपील

भोपाल (ए.)। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने सभी जनजातीय परिवारों से अपने बच्चों को शाला भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि शिक्षा से ज्यादा मूल्यवान कुछ नहीं है। ज्ञान से ही सुनहरे भविष्य का निर्माण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय परिवारों की नई पीढ़ी को शैक्षणिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए संकल्पित है। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। केन्द्र सरकार के सहयोग से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्थाओं में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। आज न तो शिक्षकों की कमी है और न ही स्कूली अधोसंरचना में कोई कमी है। सभी अभिभावकगण अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहें। उन्होने जनजातीय क्षेत्रों में काम कर रही स्वयं सेवी संस्थाओं और शासकीय योजनाओं और परियोजनाओं में काम कर रहे अमले से भी अपील की है कि वे स्कूल जाने योग्य बच्चों को शालाओं में प्रवेश दिलवाने में मदद करें और अपनी नागरिक जिम्मेदारी निभायें। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय से शत-प्रतिशत अनुदान पर प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है।

प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों से बचें : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(निप्र)। प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। भारत में कच्चे तेल (Crude Oil) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के कारण देश और प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई में किसी प्रकार की रुकावट नहीं है। श्री राजपूत ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) से बचें।

कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

राजकोट-रीवा-राजकोट एक्सप्रेस ट्रेन में एक थर्ड एसी कोच बढ़ाया गया

भोपाल (निप्र)। रेलवे समर सीजन में यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाते है। इसी कड़ी में भोपाल मंडल होकर जाने वाली राजकोट-रीवा-राजकोट एक्सप्रेस ट्रेन में एक थर्ड एसी कोच मई माह से बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जो कि निम्न तिथि से प्रभावी रहेगा।

प्रारंभिक तिथियों से लगेंगे एक थर्ड एसी कोचः-

1) गाड़ी संख्या 22937 राजकोट-रीवा एक्सप्रेस में एक थर्ड

एसी का कोच दिनाँक 24 मई 2026 से प्रभावी रहेगा। 2) गाड़ी संख्या 22938 रीवा-राजकोट एक्सप्रेस में एक थर्ड एसी का कोच दिनाँक 25 मई 2026 से प्रभावी रहेगा। कोच संरचना- अब उक्त दोनों ट्रेनों में निर्धारित तिथि से 01 फर्स्ट एसी, 02 सेकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 02 थर्ड एसी इकॉनमी, 6 स्लीपर क्लास, 04 जनरल कोच एवं 1 जनरेटरकार, 1 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच होंगें। कोच बढ़ने से यात्रियों को बेहतर सुविधा एवं संतुलित यात्री भीड़ प्रबंधन में सहायता मिलेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि इस एसी कोच सुविधा का लाभ उठाएं और साथ ही ट्रेन की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा अधिकृत पूछताछ केंद्र से भी प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत भोपाल में राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 के शुभारंभ अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों को निशुल्क पुस्तकें वितरित की।

बेटे की शादी में शराब नहीं पिलाने पर भड़के पड़ोसी, दूल्हा-दुल्हन के साथ मारपीट, लूट ले गए घरेलू सामान

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर में एक परिवार ने बेटे की शादी की खुशी में पड़ोसियों को शराब नहीं पिलाई तो बवाल मच गया। पड़ोसियों ने दूल्हे की मां, परिवार के सदस्यों और नई नवेली दुल्हन के साथ मारपीट कर दी और घरेलू सामान के साथ रुपए भी ले गए। बीच-बचाव में मेहमानों ने भी आरोपियों को पीट दिया। पीड़ित परिवार एसपी के पास पहुंचकर न्याय की गुहार लगा रहा है। पुलिस ने एक पक्ष की ओर से मामला दर्ज कर लिया है, जबकि दूसरे पक्ष की जांच जारी है।

दरअसल ग्वालियर देहात के आरोन थाना क्षेत्र के पटाई गांव निवासी महेश जाटव की 30 मार्च को शादी हुई थी। शादी के बाद महेश अपनी दुल्हन को लेकर गांव पहुंचा था। रात के समय परिवार और मेहमान भोजन कर रहे थे, तभी गांव के ही मनोज जाटव, हरनाम, भीम और नवल किशोर जाटव वहां पहुंचे।

कभी KBC में जीते थे 50 लाख, अब ढाई करोड़ का घोटाला कर जेल पहुंचीं तहसीलदार, प्रशासन ने किया सस्पेंड

ग्वालियर (ए.)। बाढ़ राहत घोटाले में गिरफ्तार होकर पिछले पांच दिनों से शिवपुरी जेल में बंद तहसीलदार अमिता सिंह तोमर पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। चंबल कमिश्नर सुरेश कुमार ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई श्योपुर कलेक्टर अर्पित वर्मा की रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

दरअसल बड़ौदा तहसील में बाढ़ राहत राशि वितरण के दौरान करीब ढाई करोड़ रुपए के घोटाले का मामला सामने आया था। अमिता सिंह तोमर पर फर्जीवाड़ा कर अपात्र लोगों को मुआवजा बांटने के गंभीर आरोप हैं। इस मामले में उनके खिलाफ पुलिस केस दर्ज है और जांच जारी है।

26 मार्च को बड़ौदा बाढ़ राहत घोटाले में बड़ा एक्शन लेते हुए श्योपुर की बड़ौदा पुलिस ने अमिता सिंह तोमर को ग्वालियर स्थित उनके निवास से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में शिवपुरी जेल भेज दिया गया, जहां वे पिछले पांच दिनों से बंद हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 6 अप्रैल को निर्धारित है।

गौरतलब है कि अमिता सिंह तोमर श्योपुर जिले के विजयपुर में तहसीलदार के पद पर पदस्थ थीं। गिरफ्तारी से एक दिन पहले ही कलेक्टर अर्पित वर्मा ने उन्हें पद से हटा दिया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया।

निलंबन के दौरान उन्हें नियमानुसार गुजारा भत्ता मिलेगा और उनका मुख्यालय भी निर्धारित किया जाएगा, जहां उन्हें अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही उनके खिलाफ आगे की विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी।

यह मामला इसलिए भी सुर्खियों में है क्योंकि अमिता सिंह तोमर लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति में 50 लाख रुपए जीत चुकी हैं।

एक समय अपनी उपलब्धि के लिए चर्चित रहीं अधिकारी का नाम अब गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों में सामने आने से पूरे प्रदेश में हलचल मच गई है।

प्रशासनिक गलियारों में भी इस कार्रवाई को लेकर चर्चाएं तेज हैं, जहां बड़े पद पर बैठी अधिकारी के खिलाफ हुई इस कार्रवाई को सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

एमपी में कांग्रेस को झटकाः दतिया विधायक राजेंद्र भारती दोषी, 25 साल पुराने बैंक घोटाले में भेजे गए तिहाड़ जेल

दतिया (ए.)। मध्यप्रदेश की राजनीति में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामले में अदालत ने दोषी करार दिया है। करीब 25 साल पुराने बैंक घोटाले मामले में दिल्ली की विशेष स्क्ररू कोर्ट ने सुनवाई करते हुए उन्हें दोषी मानते हुए तिहाड़ जेल भेज दिया है। सजा की अवधि का ऐलान कोर्ट कल करेगा।

यह मामला जिला सहकारी कृषि ग्रामीण विकास बैंक, दतिया से जुड़ा है। आरोप है कि बैंक अध्यक्ष रहते हुए राजेंद्र भारती ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर और रिकॉर्ड में हेरफेर कर फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में गड़बड़ी की। उन्होंने नियमों के विरुद्ध जाकर 13.5 प्रतिशत की ऊंची ब्याज दर का अनुचित लाभ लिया और FD की अवधि को अवैध रूप से बढ़ाकर बैंक को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया।

अदालत ने उन्हें भारतीय दंड संहिता (IPC) की कई गंभीर धाराओं के तहत दोषी माना है, जिनमें धारा 420 (धोखाधड़ी), 467, 468, 471 (फर्जी दस्तावेज), 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 120क (आपराधिक साजिश) शामिल हैं। इस मामले में उन्हें पहले ही हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी थी।

मामले का आसान तरीके से समझें

1- 24 अगस्त 1998 को आरोपी राजेन्द्र भारती की मां सावित्री श्याम ने, श्याम सुंदर श्याम संस्थान की अध्यक्ष रहते हुए, जिला सहकारी ग्रामीण विकास बैंक दतिया में 10 लाख रुपये की एफडी 3 साल के लिए 13.50त्न वार्षिक ब्याज दर पर कराई थी।

2- 1998 से 2001 के बीच आरोपी राजेन्द्र भारती उसी बैंक के संचालक मंडल के अध्यक्ष थे।

3- साथ ही, वह श्याम सुंदर श्याम जनसहयोग एवं सामुदायिक विकास संस्थान दतिया के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के सदस्य भी थे। यानी दोनों संस्थाओं में उनका सीधा हित जुड़ा हुआ था।

4- आरोप है कि राजेन्द्र भारती ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए बैंक कर्मचारी रघुवीर शरण प्रजापति के साथ मिलकर साजिश की। दोनों ने बैंक के दस्तावेजों (लेजर बुक, एफडी स्लिप और रसीद) में काट-छांट कर एफडी की अवधि 3 साल से बढ़ाकर 10 और फिर 15 साल कर दी, ताकि लंबे समय तक 13.50त्न ब्याज का फायदा मिलता रहे।

उज्जैन की फैक्टरी में काम करने वालों की सुनने की शक्ति खत्म? मजदूरों का आरोप, सफाई में क्या बोले जिम्मेदार?

उज्जैन (ए.)। देवास रोड स्थित सोयाबीन प्लांट के पास एक केमिकल फैक्टरी पर गंभीर आरोप लगे हैं। यहां काम कर चुके कर्मचारियों का दावा है कि फैक्टरी में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण उनकी जिंदगी बर्बाद हो गई है।

पीड़ितों के अनुसार, शुरुआत में वे खुशी-खुशी काम करने आए थे, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह नौकरी उनकी सेहत पर भारी पड़ जाएगी। कर्मचारियों का कहना है कि फैक्टरी से निकलने वाली गैस के कारण करीब 30 से 35 लोग 60 से 70 प्रतिशत तक अपनी सुनने की क्षमता खो चुके हैं। अब स्थिति यह है कि वे बिना हियरिंग मशीन के कुछ भी सुन पाने में असमर्थ हैं। पीड़ित कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन, प्रशासन, पुलिस और लेबर कोर्ट तक न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अब तक उन्हें कोई राहत नहीं मिली है।

सुनने की क्षमता खत्म

फैक्टरी में काम कर चुके वासुदेव सोलंकी ने बताया कि दो साल पहले काम शुरू करने के बाद उनके कानों में सीटी बजने लगी और आंखों में

जलन होने लगी। उन्होंने इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज किया और प्रबंधन को भी जानकारी दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद में जब मेडिकल जांच कराई गई तो पता चला कि उनकी सुनने की क्षमता 60-70% तक खत्म हो चुकी है।

फैक्टरी में एसिड और कई रसायनों को मिलाया जाताः आरोप

वहीं एक अन्य कर्मचारी राजेश परमार ने बताया कि फैक्टरी में एसिड और कई रसायनों को मिलाया जाता है, जिससे निकलने वाली गैस का सीधा असर कर्मचारियों पर पड़ता है। उनके अनुसार, यहां काम करने वाले कई लोग कम समय में ही बहरे हो गए। कर्मचारियों का कहना है कि इलाज के लिए बड़े शहरों तक गए, लेकिन सुनने की क्षमता वापस नहीं आई। अब उन्हें परिवार की बात सुनने के लिए भी मशीन का सहारा लेना पड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार, इस समस्या का एकमात्र इलाज ऑपरेशन ही रह गया है।

गैस के संपर्क में रहने से उनकी हालत बिगड़ीः मजदूर

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कर्मचारियों ने कहा कि फैक्टरी में पर्याप्त सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जाते। लगातार गैस के संपर्क में रहने से उनकी हालत बिगड़ती गई, जिसके चलते उन्हें मजबूरी में नौकरी छोड़नी पड़ी। पीड़ितों का यह भी कहना है कि अब उनकी स्थिति ऐसी हो गई है कि कोई उन्हें नौकरी देने को तैयार नहीं है। कम उम्र होने के बावजूद बीमारी के कारण उन्हें हर जगह ठुकराया जा रहा है।

क्या बोले जिम्मेदार?

उज्जैन के कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि एक शिकायत आई है। केमिकल फेक्ट्री पर कुछ समस्या आ रही है जिससे कि लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, इसकी जाँच कराई जा रही है।

व्यापार समाचार

अमेरिका-ईरान तनाव में नरमी के संकेत से शेयर बाजार में उछाल

- सेंसेक्स 73,762.43 पर खुला और निफ्टी 22,899 के स्तर

मुंबई (ए.)। डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कि अमेरिका-ईरान युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है, वैश्विक बाजारों में सकारात्मक माहौल बना। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखा, जहां बुधवार को बाजार जोरदार बढ़त के साथ खुला। अमेरिका-ईरान तनाव में कमी की उम्मीदों ने भारतीय शेयर बाजार को मजबूती दी। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 दोनों ही प्रमुख सूचकांक हरे निशान में खुले। सेंसेक्स 1814.88 अंकों की बढ़त के साथ 73,762.43 पर खुला, जबकि निफ्टी 567 अंकों की तेजी के साथ 22,899 के स्तर पर पहुंचा। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स करीब 1964 अंक चढ़कर 73,911.96 पर और निफ्टी 596 अंक बढ़कर

22,927.80 पर कारोबार करता दिखा। बाजार में यह तेजी व्यापक रही और लगभग सभी सेक्टर हरे निशान में रहे।

मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जहां निफ्टी मिडकैप 100 में 3.30 फीसदी और स्मॉलकैप 100 में 3.61 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सेक्टरवार प्रदर्शन में मीडिया, ऑटो, पीएसयू बैंक और मेटल इंडेक्स ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की। निफ्टी50 के सभी शेयरों में तेजी देखने को मिली। ट्रेंट, बीईएल, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स और अदाणी एंटरप्राइजेज जैसे शेयर टॉप गेनर्स रहे। वहीं एचडीएफसी, कोल इंडिया और नेस्ले इंडिया में अपेक्षाकृत कम बढ़त दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि हालिया भू-राजनीतिक तनाव के कारण मार्च में बाजार में आई गिरावट के बाद यह सुधार सकारात्मक संकेत है। हालांकि, उन्होंने निवेशकों को अभी सतर्क रहने और मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में ही निवेश करने की सलाह दी है। साथ ही, निफ्टी के 24,000 स्तर के ऊपर टिकने को आगे की स्थायी तेजी के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है।

सरकार के एक्शन से चंद घंटों में औंधे मुंह गिरे एटीएफ के दाम, जानें क्या हैं नए रेट

नई दिल्ली (ए.)। हवाई सफर करने वाले यात्रियों और एयरलाइंस कंपनियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। विमानन ईंधन यानी एटीएफ (ATF) की कीमतों को लेकर तेल मार्केटिंग कंपनियों ने चंद घंटों के भीतर ही एक बड़ा यू-टर्न ले लिया है। पहले तेल कंपनियों ने एटीएफ के दामों में 100 फीसदी से भी ज्यादा का भारी-भरकम इजाफा कर दिया था, जिससे हवाई सफर अचानक काफी महंगा होने की आशंका पैदा हो गई थी।

रुपया शुरुआती कारोबार में 15 पैसे चढ़कर 94.70 डॉलर पर

- रुपया बुधवार को 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे चढ़कर 94.70 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि जल्द इसने थोड़ी बढ़त खो दी डॉलर के मुकाबले 94.70 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की वृद्धि दर्शाता है। रुपया सोमवार को कारोबार के दौरान पहली बार 95 के स्तर के पार चला गया था। हालांकि अंत में थोड़ा संभलता हुआ 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। श्री महावीर जयंती के अवकाश के उपलक्ष्य में मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.63 पर रहा।

सोने में चमक बरकरार, चांदी में नरमी

- सोना 1.51 लाख के पार, चांदी 2.39 लाख के करीब फिसली

नई दिल्ली (ए.)। कमोडिटी बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के दामों में अलग-अलग रुख देखने को मिला। जहां सोना मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आया, वहीं चांदी में गिरावट का दबाव बना रहा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में यही ट्रेंड देखने को मिला। घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतों में बुधवार को तेजी दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अप्रैल वायदा कॉन्ट्रैक्ट 666 रुपये की बढ़त के साथ 1,51,427 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,50,761 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 715 रुपये की मजबूती के साथ 1,51,476 रुपये पर कारोबार करता दिखा। दिन के दौरान सोने ने 1,51,870 रुपये का उच्च स्तर और 1,51,247 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं चांदी के वायदा भाव में कमजोरी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 1,635 रुपये की गिरावट के साथ 2,39,257 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,40,892 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी करीब 1,286 रुपये टूटकर 2,39,606 रुपये के स्तर पर रही। इस दौरान इसने 2,40,300 रुपये का उच्च और 2,38,501 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है।

आरबीआई का बड़ा कदमः PI और डिजिटल पेमेंट्स के लिए 'टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन' अनिवार्य, आज से लागू हुए नए नियम

नई दिल्ली (ए.)। भारत में बढ़ते डिजिटल लेन-देन के बीच ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सख्ती बढ़ा दी है। 1 अप्रैल 2026 से लोकप्रिय यूपीआई (यूपीआई) प्लेटफॉर्म सहित सभी डिजिटल पेमेंट्स के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य हो गया है। आरबीआई के इस कदम से अब केवल पिन डालकर पेमेंट करना संभव नहीं होगा, इससे ग्राहकों की गाढ़ी कमाई पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हो जाएगी।

क्या हैं नए नियम और इसका असर?

आरबीआई के निर्देशों के अनुसार, बैंक और गैर-बैंक संस्थाओं सहित सभी भुगतान प्रणाली सेवा का संचालन करने वाली कंपनियों और प्रतिभागियों को 1 अप्रैल, 2026 तक इन दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य था। केंद्रीय बैंक ने बैंक धोखाधड़ी को कम करने और जवाबदेही में सुधार के लिए यह व्यवस्था लागू की है।

दोहरे सत्यापन की अनिवार्यता आज से उपयोगकर्ताओं को केवल अपना यूपीआई पिन दर्ज करके लेन-देन करने की अनुमति नहीं मिलेगी। इसके बजाय, उन्हें वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी), फिंगरप्रिंट ऑथेंटिकेशन या फेशियल रिकॉग्निशन के जरिए ट्रांजैक्शन को वेरिफाई करना होगा।

पिन चोरी होने पर भी सुरक्षा इस नियम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यदि किसी को आपका पिन पता भी चल जाए, तो भी दोहरे सत्यापन के बिना अनधिकृत भुगतान सफल नहीं हो सकेंगे।

ओटीपी का बढ़ता उपयोगः आरबीआई ने सभी डिजिटल पेमेंट्स के लिए 2FA अनिवार्य किया है और वर्तमान में डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम ने मुख्य रूप से एसएमएस-आधारित वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) को इस अतिरिक्त कारक के रूप में अपनाया है।

बैंकिंग एप में स्क्रीनशॉट और रिकॉर्डिंग पर पूरी तरह से प्रतिबंध

भुगतान सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए, उपयोगकर्ता अब किसी भी बैंकिंग ऐप में स्क्रीनशॉट या स्क्रीन रिकॉर्डिंग नहीं ले सकेंगे। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से उपयोगकर्ता को बचाने के लिए इसे पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ओटीपी दर्ज करने की प्रक्रिया के कारण लेन-देन में कुछ सेकंड की देरी हो सकती है।

विशेषज्ञों का नजरिया

यूपीआई जैसे इकोसिस्टम में, जहां लेन-देन कुछ ही सेकंड में पूरे हो जाते हैं, धोखाधड़ी रोकने के लिए लेन-देन पूरा होने से पहले का समय ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। 'ब्यूरो' के निदेशक (रणनीति और नियामक मामले) अनिल तादिमेटी ने कहा कि यहीं पर प्रमाणीकरण को विकसित करने की आवश्यकता है। उनके अनुसार, "आप कौन हैं, आप क्या जानते हैं, और आपके पास क्या है, इन सभी को मिलाकर और वास्तविक समय में इन सिग्नलों का मूल्यांकन करके संदर्भ के माध्यम से विश्वास स्थापित किया जाना चाहिए'।

पीटर एल्बर्स के झटके के बाद इंडिगो ने खेला बड़ा दांव, ब्रिटिश एयरवेज के पूर्व बॉस को सौंपी एयरलाइन की कमान

नई दिल्ली (ए.)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो (IndiGo) ने अपने नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के नाम का बड़ा ऐलान कर दिया है। मंगलवार को कंपनी ने एविएशन इंडस्ट्री के दिग्गज और ब्रिटिश एयरवेज के पूर्व प्रमुख

विलियम वॉल्श को अपना नया बॉस नियुक्त करने की आधिकारिक घोषणा की। इंडिगो के शीर्ष नेतृत्व में यह बड़ा फेरबदल एयरलाइन के पूर्व सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक पद छोड़ने के महज तीन हफ्ते से भी कम समय के भीतर किया गया है, जिसने एविएशन जगत में सबको चौंका दिया है।

अगस्त के पहले हफ्ते में संभालेंगे इंडिगो की कमान

विलियम वॉल्श, जिन्हें एविएशन सेक्टर में आमतौर पर 'विली' के नाम से जाना जाता है, वर्तमान में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के डायरेक्टर जनरल के अहम पद पर कार्यरत हैं। इंडिगो की ओर से जारी एक प्रेस रिलीज में यह स्पष्ट किया गया है कि IATA में वॉल्श का मौजूदा कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है। रेगुलेटरी मंजूरियां मिलने के बाद पूरी उम्मीद है कि वे 3 अगस्त तक या उससे पहले इंडिगो के नए सीईओ के रूप में अपना कार्यभार पूरी तरह से संभाल लेंगे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित

जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है।अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) वैसे तो पिछले कई वर्ष भारत को 'विशेष चिंता की श्रेणी वाले देशों' की सूची में डालने की सिफारिश करता रहा है, लेकिन इस वर्ष वह कुछ ज्यादा आगे बढ़ गया है। उसने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ-साथ भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर भी प्रतिबंध लगाने की सिपारिश कर दी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि पहले की तरह ही इस वर्ष भी अमेरिका सरकार इस सिफारिश को नजरअंदाज कर देगी। इसके बावजूद भारत को अमेरिका में उभरे ऐसे रुझानों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसलिए कि अमेरिका में प्रशासन चाहे किसी पार्टी का हो, ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल वह अपने रणनीतिक एवं अन्य हितों को साधने के लिए करता है। धार्मिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकार आदि जैसे ऊंचे आदर्श अमेरिका के लिए डंडे की तरह हैं, जिनका उपयोग वह अपने मन-माफिक ना चलने वाले देशों पर दबाव बनाने के लिए करता आया है। इस रूप में यूएससीआईआरएफ जैसी उसकी संस्थाएं एक ऐसा हथकंडा हैं, जो दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल के लिए अपनी सरकार को उसूल का आवरण प्रदान करती हैं। जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट को पूर्वाग्रह-ग्रस्त और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है, मगर यह विरोध की रस्म-अदायगी भर है। भारतीय हितों के लिहाज से रॉ को विवाद में लाने के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए इस बारे में भारत को अमेरिका के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराना चाहिए। यह कहने का तात्पर्य ये नहीं है कि जिन संगठनों को यूएससीआईआरएफ को निशाना बनाया है, उसके साथ कोई समस्या नहीं है। मगर जो भी है, वह भारत के अंदर की बात है। वह भारत सरकार के सामने मौजूद मुद्दा है। इसका समाधान यहीं निकलेगा। अत: अमेरिकी संस्थाओं का भारत पर प्रतिबंध की बात करना अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित माना जाएगा।

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

–संजय गोस्वामी

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया। अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी। अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं

हनुमान जयंति पर विशेष

थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम''राक्षसान्तक'' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मर्यादा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मर्यादा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया।

गुरु की मर्यादा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,' मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्हांने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये।

तुम रक्षक काहू को डरना...

सब सुख लहै तुम्हारी सरना, तुम रक्षक काहू को डरना...इस पावन दोहे की मधुर लय में जब मन डूबता हैतब ऐसा प्रतीत होता है मानो जीवन के सारे भय, सारे संशय स्वयं ही दूर हो रहे हों और भीतर एक अद्भुत आत्मविश्वास जागृत हो रहा हो। यही वह भाव है जो हमें हनुमान जी की शरण में ले जाता है। जहाँ सुरक्षाहै, शांति हैऔर जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य प्रकाश है। हनुमान जी का व्यक्तित्व उस विराट सागर की भांति है जिसमें शक्ति की लहरें भी हैं और शांति का अमृत भी। वे केवल एक देवता नहींबल्कि हर उस व्यक्ति के सारथीहैं जो धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लेता है। हनुमान जयंती का यह पावन पर्व केवल एक उत्सव नहींबल्कि जीवन को समझने, उसे संवारने और उसे ऊँचाइयों तक ले जाने का अवसर है। यह वह दिन है जब हम उस महान व्यक्तित्व को स्मरण करते हैं, जिन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि सच्ची भक्ति, अटूट साहस और निःस्वार्थ सेवा से कोई भी व्यक्ति असंभव को संभव बना सकता है। हनुमान जी केवल बल के प्रतीक नहीं हैं, वे बुद्धि के भी प्रतीक हैं।वे केवल वीरता के प्रतीक नहीं हैं, वे विनम्रता के भी आदर्श हैं औरवे केवल भक्त नहीं हैं, वे कर्तव्य और समर्पण की सजीव मूर्ति हैं। हनुमान जी अतुलित बल के स्वामी थे किंतु उनकी पहचान रामभक्त के रुप में है। आज के दौर में जब हर कोई मालिक बनना चाहता है तो हनुमान जी सिखाते हैं कि समाज की निस्वार्थ सेवा ही ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। यही सेवा कार्य की प्रेरणा जो हमें उनसे मिलती है, वही हमें मानवता के शिखर पर ले जाएगी। हनुमान जी अनुशासन और प्रबंधन के आदर्श प्रतीक हैं, जो अपनी बुद्धि, समर्पण और संकट प्रबंधन कौशल के लिए जाने जाते हैं। लंका दहन में समय प्रबंधन, सुरसा के सामने बौद्धिक स्थिरताऔर राम-रावण युद्ध में टीम वर्क व लक्ष्य-केंद्रित होकर उन्होंने नेतृत्व व आत्म-नियंत्रण का बेजोड़ उदाहरण पेश किया है। लंका जाते समय मैनाक पर्वत के निमंत्रण को ठुकराकर उन्होंने सिखाया कि जब तक लक्ष्य न मिल जाए तब तक विश्राम नहीं करना चाहिए। जब लंका में हनुमान जी चारों ओर से घिरे थे, तब भी उनका विवेक स्थिर था। आज हम छोटी-सी समस्या में टूटने और बिखरने लगते हैं। हनुमान जी सिखाते हैं कि समस्या चाहे कितनी भी विकराल हो, यदि मन शांत है और हृदय में परमात्मा का नाम होतो हर लंका को जीतना संभव है। जब लक्ष्मण जी मूर्छित हुए, तो हनुमान जी पूरा पहाड़ उठा लाए। यह आज के प्रबंधन के लिए सीख है कि यदि साधन सीमित हों और समय कम, तो अपनी क्षमता का विस्तार कैसे किया जाए। वे हमें सिखाते हैं कि नामुमकिन शब्द केवल हमारे मन का भ्रम है। वहीं बुद्धि और बल का संतुलन करते हुए सुरसा के सामने हनुमान जी ने अपने शरीर को दोगुना किया, लेकिन जब उन्हें समझ आया कि यहाँ शक्ति नहींबुद्धि की आवश्यकता है, तो उन्होंने खुद को छोटा कर लिया। उन्होंने साबित किया कि जहाँ अहम का टकराव हो, वहां बुद्धि का प्रयोग करना ही सच्ची बुद्धिमत्ता है। इसके साथ ही हनुमान जी का पूरा जीवन एक व्यवस्थित, संयमित और लक्ष्य-केन्द्रित अनुशासन में बंधा हुआ था। वे कभी भी अपनी शक्तियों का दुरुपयोग नहीं करते थे बल्कि हर कार्य को समय, परिस्थिति और मर्यादा के अनुसार करते थे। सदैव अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के आदेश को सर्वोपरि माना। उन्होंने कभी अपने मन से कार्य नहीं किया बल्कि हर कदम पर अनुशासन के साथ उनके आदेश और कर्तव्य का पालन किया। इससे यही सीख मिलती है कि जीवन में गुरु, माता-पिता और कर्तव्य के प्रति अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। आज के इस आधुनिक और चुनौतीपूर्ण युग मेंजब हर व्यक्ति किसी न किसी संघर्ष से गुजर रहा हैतब हनुमान जी का व्यक्तित्व हमारे लिए मार्गदर्शक बन जाता है। उनकी हर लीला, हर कथा हमें कुछ न कुछ सिखाती है। वे सिखाते हैं कि शक्ति हमारे भीतर ही होती हैबस उसे पहचानने की आवश्यकता है। हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि सच्ची सफलता वही हैजो दूसरों के हित में हो। वे सिखाते हैं कि जितनी बड़ी उपलब्धि हो, उतनी ही बड़ी विनम्रता भी होनी चाहिए। वे सिखाते हैं कि कठिनाइयाँ चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों, साहस और धैर्य से उनका सामना किया जा सकता है और सबसे बड़ी बात वे हमें यह सिखाते हैं कि यदि हमारे जीवन में एक स्पष्ट लक्ष्य हो और उस लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण होतो कोई भी बाधा हमें रोक नहीं सकती। मेरे अपने जीवन में हनुमान जी महाराज की विशेष कृपा का अनुभव हर दिन होता है। भोपाल के छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में प्रतिदिन जब मैंदर्शन के लिए जाता हूँ और वहां मैं अपना शीश झुकाता हूं तो सारी चिंताओं का बोझ हल्का हो जाता है। ऐसा लगता है मानो एक अदृश्य शक्ति मुझे संबल दे रही है, मेरे भीतर ऊर्जा भर रही है और मेरे हर संकल्प को मजबूती दे रही है। मैं अपने हर कार्य की शुरुआत हनुमान जी महाराज का आशीर्वाद लेकर करता हूं तो वह कार्य केवल प्रयासनहीं रहताबल्कि प्रसादबन जाता है। उनकी कृपा से ही हर कार्य की पूर्णसिद्दि

होती है। जीवन के हर मोड़ पर, हर कठिन परिस्थिति में ऐसा अनुभव होता है कि वे साथ खड़े हैं- रक्षा करते हुए, मार्ग दिखाते हुएऔर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए। उनके आशीर्वाद से ही सेवा का भाव जागृत होता है समाज के लिए कुछ करने का, जरूरतमंदों की सहायता करने का और अपने जीवन को केवल अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए भी सार्थक बनाने का। जब हम सब सुख लहे तुम्हारी सरनाका भाव अपने जीवन में उतारते हैंतब हमें यह समझ आता है कि सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहींबल्कि आस्था, विश्वास और समर्पण में है। जब हम यह मान लेते हैं कि तुम रक्षक काहू को डरनातब जीवन के हर भय का अंत हो जाता हैऔर वही क्षण हमारे आत्मबल के जागरण का होता है। उनकी कृपा ही है जो कायर को वीर और निर्बल को बलवान बना देती है। हनुमान जयंती हमें केवल पूजा-अर्चना का संदेश नहीं देतीबल्कि जीवन जीने की कला सिखाती हैवह सिखाती है कि हमें अपने भीतर की शक्ति को पहचानना है,अपने कर्म को निष्ठा से करना है,अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना हैऔर अपने जीवन को सेवा और सकारात्मकता से भरना है। आइए, इस पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम हनुमान जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगेउनकी तरह निडर बनेंगे,उनकी तरह विनम्र बनेंगेऔर उनकी तरह सेवा को अपना धर्म बनाएंगे।

–विश्वास कैलाश सारंग
मंत्री, म.प्र. शासन

मेष- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज लोग आपके विचारों को सुनने के लिए बहुत उत्सुक होंगे। इस राशि के लोगों को आज किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है। करियर के मामले में आपके ऊपर अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आ सकती हैं।

वृष-आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आपके मन की इच्छा पूरी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नये कदम उठाएंगे। आर्थिक स्थिति आपके पक्ष में रहेगी। लवमेट के साथ रिश्तों में मिठास आयेगी।

मिथुन-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। इस राशि के लेखकों के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया है। रचनात्मक कार्यक्षेत्र से जुड़े लोगों को नई स्टोरी लिखने के लिए मिल सकती है। आज आपका करियर नये रूप में उभरेगा। साथियों से मदद मिल सकती है। पार्टनर के सहयोग से आप सफल हो सकते हैं।

कर्क-आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बितायेंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं हील स्टेशन पर घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आज किसी स्थिति को लेकर ज्यादा सोचने की बजाय उस पर एक्शन लेना बेहतर होगा। आज सब कुछ अपने सोचे हुए तरीके से होने की उम्मीद न रखें, तो बेहतर होगा।

सिंह- आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे, उस काम में थोड़ी रूकावटें आ सकती है। किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं। आज रिश्तों में सुधार लाने के लिए दिन अच्छा है। आज शाम तक घरेलू सामान खरीदने के लिए मार्केट जा सकते हैं। आज बात सोच-विचार कर ही कहें, वरना थोड़ी परेशानी में पड़ सकते हैं। आज शाम का वक्त आप धार्मिक और दान पुण्य के कामों मे बीताएंगे मन को शांति मिलेगी।

कन्या-आज किस्मत आपके साथ रहेगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहे हैं, वो आज किसी फ्रेंड की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। आज आप तरोताजा महसूस करेंगे। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कहीं से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में नए अवसरों का फायदा आपको मिलेगा। अचानक धन लाभ होने से आर्थिक स्थिति अच्छी होगी।

तुला- आज आपका दिन सामान्य रहेगा। अगर आप काम को करते समय अपने मन को शांत रखेंगे, तो आपका काम आसानी से सफल होगा। किसी भी काम में जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए। इस राशि के लोग आज अपनी फैमिली में अपने रिश्ते के बारे में बात करेंगे जल्द ही शादी तय हो सकती है।

वृश्चिक-आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियां मनाएंगे। आज आपके व्यक्तित्व से लोग आकर्षित होंगे। मानसिक तौर पर खुद को स्ट्रॉन्ग महसूस करेंगे। आपके मन की सारी शंकाएं दूर होगी। परिवार और समाज के लोग आपके लिए काफी मददगार हो सकते हैं। आपकी बातों का गहरा असर भी लोगों पर होगा।

धनु-आज आपके मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं, जिसमें आप सफल होंगे। आज आपको कुछ विशेष अवसरों का फायदा मिलेगा। आसपास के लोगों या साथ काम करने वालों की तारीफ करने से आपको मनोबल बढ़ेगा। आपको लोगों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के बड़े मौके मिलेंगे।

मकर-आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। मन में किसी मामले को लेकर थोड़ी बेचैनी हो सकती है। मन भटक सकता है। आज आसपास के किसी व्यक्ति के बारे में आपको गलतफहमी हो सकती है। धैर्य रखने सब अच्छा होगा।

कुंभ-आज आपका रूझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने की योजना बना सकते हैं। आज आपको आनंद की प्राप्ति होगी। आज खुद को फीट महसूस करेंगे। दिन खत्म होते-होते आपको शुभ समाचार मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी के नये अवसर प्राप्त होंगे। आज स्कूल टाइम के पुराने कुछ दोस्तों से मुलाकात होगी। लवमेट के लिए आज का दिन नॉर्मल रहेगा। रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है।

मीन-आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आपकी किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करेंगे। आज आपको किसी व्यापारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिल सकता है। अपनी मेहनत से काम निश्चित तौर पर पूरे होंगे। आज बड़ों का पूरा सहयोग मिलेगा। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। धर्म-कर्म में ध्यान लगा रहेगा। आज आपकी किसी जरूरी काम से यात्रा होगी।

बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला

हरिशंकर व्यास

आधुनिक समय में 'देशज' हिंदू राजनीति के तीन प्रयोगधर्मी (विचारक) हुए- गांधी, सावरकर और लोहिया। इन तीनों ने वे सूत्र, वे प्रयोग दिए, जिससे हिंदुओं को भक्ति की तीन नई मूर्तियाँ मिलीं। 1947 के बाद गांधी के नेहरू ने अपने प्रयोग किए। नेहरूवादी पैदा हुए। वही सावरकर के भक्तों ने हवा में लाठी घुमाते हुए भय, भक्ति, भूख की भीड़ बनाना शुरू किया। एक तरफ नेहरूवादी, दूसरी तरफ हिंदुवादी (धर्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिक)।

और फिर इन दो धुरियों के बीच अचानक लड़ाकू तेवर के साथ डॉ. राममनोहर लोहिया उभरे। उनके जमीनी सूत्रों-नारों ने समाज में ऐसी हलचल बनाई, जिसके आगे गांधीवादी निरुत्तर थे तो हिंदुवादी भी मात्र हवा में लाठी भांजते थे। लोहिया के ही जुमलों ने वह मंडल-कमंडल बनाया कि समाज छिन्न-भिन्न हुआ। बुद्धि, विवेक सब छोड़ लोग पहचान (जाति, उपजाति, खाप) की भीड़ में कनवर्ट होने लगे।

और अंत परिणाम लोहियावादी भी वैसे ही बेमतलब है जैसे नेहरूवादी, गांधीवादी, मार्क्सवादी, माओवादी आदि भक्त समूहों का विसर्जन है। सवाल है तब 140 करोड़ लोगों का मालिक कौन सावरकर के वे हिंदुवादी जो लाठी भांजने, हांकने की सौ वर्षों से ट्रेनिंग लेते-लेते डफरों के विश्वगुरू हैं।

निश्चित ही इस ट्रेनिंग का प्रतीकमान चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम से दुनिया को आह्वान किया कि स्वागत है आप द्वारा बनाई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (सौ प्रतिशत अमेरिका या उनकी कंपनियों की मौलिक बुद्धि से निर्मित उत्पाद) का। भारत इसमें अपना भाग्य मानता है।

और इस कॉलम को लिखते हुए खबर है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को 30 दिन की छूट दी। और अमेरिका की अनुमति प्राप्त हुई नहीं कि भक्त भीड़ का सोशल मीडिया 'अमेरिका से अनुमति' की वाह करते हुए है।

मैं तभी ऐसी घड़ी में लोहिया और लोहिया के लोगों की स्मृति में नीतीश कुमार पर सोच रहा हूं। किस मनोदशा के पर्याय हैं नीतीश कुमार इसलिए क्योंकि लोहिया की देशज राजनीति, जुमलों (या क्रांति) की प्रयोगशाला रहा है बिहार। लोहिया के मंडल चेहरे हों या भगवा चेहरे (सावरकर की सेंट्रल हॉल में तस्वीर के निर्णय के साझेदार जॉर्ज फर्नांडिस से हुकुमदेव नारायण यादव तक), सभी की यानी तमाम तरह के समाजवादियों की कर्मभूमि बिहार रही है। बिहार में कांग्रेस का शासन मुश्किल से चालीस वर्ष रहा। बाकी समय बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला रहा।

कर्पूरी ठाकुर 1967 में मुख्यमंत्री बने थे। मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर मंडल रिपोर्ट लिखने वाले बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल यहीं चुनाव जीतते रहे हैं। तभी सवाल है कि मंडल रिपोर्ट को लागू कराने की अधिसूचना जारी करवाने वाले शरद यादव, रामविलास पासवान हों या बिहार में 35 वर्षों से उसे लागू कराते लालू यादव, राबड़ी देवी तथा नीतीश कुमार के चेहरों से बिहार कैसा रचा है? ध्यान रहे नीतीश राज ही कोई बीस साल पुराना है।

और लोहियावाद की इतनी लंबी देशज राजनीति के आइडिया की कुल बिहार प्राप्ति, उत्पादकता क्या है? एक वाक्य में जवाब है, खंडहर और मजदूर! तभी नीतीश कुमार की रिटायरी के साथ अब दिखलाई दे रहा है कि बिहार हर तरह से लाठीधारी डफर जमात का सुरक्षित गढ़ हो गया है।

जबकि इस भूमि से, लोहियावादी विरासत की क्या उम्मीद होनी चाहिए थी? लोग कैसे तैयार होने थे? स्वाभिमानी, स्वदेशी, लड़ाकू-खुराफाती। मगर लोहियावादी बिहार में अब वह आबोहवा है, वह खंडहर है जो पिछले तीस वर्षों से जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर नीतीश कुमार के मुंह से कभी भी कहने को भी, स्वदेशी, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार (याद करें कभी जॉर्ज फर्नांडिस ने देसाई सरकार में कोका-कोला, आईबीएम कंपनियों को भारत से खदेड़ा था) के जुमले नहीं सुने गए!

उलटे हुआ क्या? पुराने नामी रहे विश्वविद्यालय भी चौपट हुए। नालंदा की नकल और जुगाड़ जैसी शिक्षा व्यवस्था बनी। सो, बुद्धि चौपट और स्वाभिमानी आबादी का भक्ति तथा मजदूर भीड़ में कनवर्ट होना।इसलिए सोचें, नीतीश कुमार और लोहियावादी चेहरों पर तो गांधी, सावरकर, लोहिया के भारत के ऐसे हस्र पर भी!

(चिंतन-मनन) सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं?

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 02 अप्रैल 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

यूपी में बेमौसम बारिश का कहर, सीएम योगी ने किसानों को हो रही दिक्कतों के बारे में मांगी रिपोर्ट

लखनऊ (ए.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राज्य के कई जिलों में बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने जिला मजिस्ट्रेटों से बेमौसम बारिश के कारण किसानों को हो रही दिक्कतों के बारे में रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिकूल मौसम से प्रभावित किसानों को किसी भी तरह की कठिनाई का सामना नहीं करना चाहिए और किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने, संपूर्ण आंकड़े संकलित करने और किसानों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को फसलों को हुए नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वेक्षण करने और सरकार को सूचित करने का निर्देश दिया ताकि मुआवजा बिना किसी देरी के दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार हर आपदा में राज्य की जनता के साथ मजबूती से खड़ी है। हाल ही में हुई बारिश से फसलों को भी नुकसान पहुंचा है और उस नुकसान की भरपाई पहले ही की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिया कि हाल ही में हुई बारिश से हुए नुकसान का भी तुरंत आकलन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के हित में संवेदनशीलता से काम करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्थिति का आकलन करने और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का सटीक मूल्यांकन करने के लिए मौके पर मौजूद रहें ताकि किसानों को समय पर सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने कृषि प्रधान सचिव और राहत आयुक्त को भी निर्देश दिया कि वे जमीनी अधिकारियों के साथ सीधा संपर्क बनाए रखें और समन्वय सुनिश्चित करें। सभी जानकारी समय पर एकत्र करके सरकार को सौंपी जानी चाहिए ताकि राहत कार्यों में कोई देरी न हो सके। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि फसलों के नुकसान का आकलन प्राप्त होते ही मुआवजे के वितरण की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए। भुगतान प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी चाहिए ताकि प्रतिकूल मौसम से प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

ओडिशा के स्थापना दिवस पर अमित शाह और योगी समेत अन्य नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई मुख्यमंत्रियों ने बुधवार को ओडिशा स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत को अपने इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ओडिशा दिवस के अवसर पर ओडिशा के भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रभु जगन्नाथ के दिव्य आशीर्वाद से धन्य, ओडिशा भारत के गौरव के रूप में शोभायमान है। 'विकसित भारत' की ओर अपनी यात्रा में यह राज्य प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को स्पर्श करे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, अनुपम सांस्कृतिक विरासत, धर्म, कला और वास्तुशिल्प वैशिष्ट्य से परिपूर्ण ओडिशा राज्य के स्थापना दिवस (उत्कल दिवस) की सभी ओडिशा वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! महाप्रभु जगन्नाथ के आशीर्वाद से अभिसिंचित यह पावन धरा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के कुशल नेतृत्व में ऐसे ही निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर गतिमान रहे। नागरिकों के जीवन में खुशहाली एवं समृद्धि के नए द्वार खुलें, यही कामना करता हूं। जय जगन्नाथ!

मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट में 'डेंजर' लिखा टिश्यू मिलने से हड़कंप, जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिला

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया, जब इंडिगो की एक फ्लाइट के टॉयलेट में 'डेंजर' लिखा हुआ टिश्यू पेपर मिला। यह घटना उस समय सामने आई, जब इंडिगो की फ्लाइट संख्या 911 अगली उड़ान के लिए तैयार की जा रही थी। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और पूरे मामले को गंभीरता से लिया गया। एयरपोर्ट स्टाफ ने तुरंत इस संदिग्ध जानकारी की सूचना मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम और नजदीकी पुलिस स्टेशन को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर जरूरी कदम उठाए गए। इसके साथ ही बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया, जिसने फ्लाइट और आसपास के क्षेत्र की गहन जांच की।

जांच के दौरान विमान के टॉयलेट और अन्य हिस्सों की बारीकी से तलाशी ली गई। लेकिन, किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। जांच पूरी होने के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली और इसे एक शरारती हरकत माना जा रहा है।

एमएसपी पर दलहन-तिलहन खरीद 7 अप्रैल से होगी शुरू - कृषि मंत्री शाही

लखनऊ(आरएनएस)। रबी सीजन 2026-27 में भी किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिलेगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को लोक भवन में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि चना, मसूर, सरसों की खरीद 7 अप्रैल से 30 जून तक की जाएगी। इस दौरान पारदर्शी डिजिटल व्यवस्था, डीबीटी भुगतान और विस्तृत क्रय नेटवर्क के माध्यम से किसानों को सीधे लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, फसलों का उचित मूल्य दिलाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। एमएसपी पर दलहन और तिलहन की खरीद की यह रणनीति किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में उर्वरक की कोई कमी नहीं है और 75 जनपदों में उर्वरकों की सप्लाई सुचारु रूप से हो रही है। कृषि मंत्री ने बताया कि मूल्य समर्थन योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करती है। चने का एमएसपी 5875 रुपये प्रति क्विंटल, मसूर का 7000 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों का 6200 रुपये प्रति क्विंटल और अरहर का 8000 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिससे किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा दिवस पर दी बधाई, कहा- राष्ट्र-निर्माण में ओडिशा का योगदान अतुलनीय

नई दिल्ल,(आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित नेताओं ने बुधवार को ओडिशा स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र-निर्माण में ओडिशा के अमूल्य योगदान ने हम सभी को सदैव प्रेरित किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ओडिशा दिवस के अवसर पर ओडिशा के भाई-बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन परंपराओं और ओडिशा के लोगों के धैर्य तथा सहनशीलता का प्रतीक है। देश के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र-निर्माण में ओडिशा के अमूल्य योगदान ने हम सभी को सदैव प्रेरित किया है। उन्होंने आगे लिखा कि एक विकसित भारत के निर्माण में ओडिशा के कुशल और परिश्रमी लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज इस शुभ अवसर पर, मैं भगवान जगन्नाथ से ओडिशा के लोगों की सुख-समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, जय जगन्नाथ! उत्कल दिवस पर ओडिशा प्रदेश के सभी वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और प्रकृति की अनुपम संपदा से परिपूर्ण यह प्रदेश देश की पहचान को और अधिक सशक्त बनाता है। यहां की परंपराएं, कला, साहित्य और लोकजीवन भारतीय संस्कृति की विविधता एवं समृद्धि का सुंदर उदाहरण हैं। उन्होंने आगे लिखा कि उत्कल के परिश्रमी और संकल्पित लोगों के प्रयासों से यह प्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मेरी कामना है कि ओडिशा आने वाले समय में और अधिक समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बने तथा प्रगति की नई ऊंचाइयों को स्पर्श करे।

बृहन्मुंबई नगर निगम की नवनियुक्त आयुक्त अश्विनी भिड़े ने मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाक़ात की।

'खालिस्तान' के नाम से फिर आया धमकी भरा ईमेल

नई दिल्ली (ए.)। बुधवार को दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह के कार्यालय को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस संदेश से दहशत फैल गई और सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई की। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, ईमेल मेयर के आधिकारिक ईमेल पते पर भेजा गया था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि दोपहर 2:11 बजे के आसपास कार्यालय को उड़ाया जा सकता है। ईमेल भेजने वाले ने खुद को खालिस्तान नेशनल आर्मी नामक समूह का सदस्य बताया। जैसे ही खतरे का पता चला, पुलिस और सुरक्षा टीमों को सतर्क कर दिया गया। महापौर कार्यालय के आसपास सुरक्षा तुरंत बढ़ा दी गई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र की गहन जांच शुरू कर दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर विशेषज्ञ अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि ईमेल कहां से आया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ई-मेल कथित तौर पर 'खालिस्तान नेशनल आर्मी' नामक एक समूह के नाम से भेजा गया था। सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत सूचित कर दिया गया, जिसके बाद महापौर कार्यालय के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और गहन जांच चल रही है। पुलिस को संदेह है कि ईमेल भेजने वाले ने वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का उपयोग करके ईमेल भेजा है और जांच शुरू कर दी गई है।

एलडीएफ और यूडीएफ दोनों दशकों से केरल के मेहनती और ईमानदार लोगों को धोखा देते आ रहे : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (ए.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को परवूर विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर केरल के मेहनती और ईमानदार लोगों को दशकों से धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग दो गठबंधनों में से किसी एक को चुनने के लिए वोट नहीं देते, बल्कि उनमें से एक को सत्ता से हटाने के लिए वोट देते हैं। सिंह ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों दशकों से केरल के मेहनती और ईमानदार लोगों को धोखा देते आ रहे हैं। उनके झंडे और चुनाव चिन्ह भले ही अलग हों, लेकिन उनका आचरण और चरित्र एक जैसा है। उनकी सोच भी एक जैसी है। दोनों ने समाज को बांटने और केरल की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का काम किया है। राज्य के राजनीतिक चक्र पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आगे कहा कि केरल के लोग एलडीएफ या यूडीएफ को चुनने के लिए वोट नहीं देते; बल्कि वे इन दोनों में से किसी एक को सत्ता से हटाने के लिए वोट देते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से, दूसरा अपने आप सत्ता में आ जाता है। अपनी आलोचना को और तेज़ करते हुए सिंह ने कहा कि एलडीएफ का मतलब लूट, विभाजन और विफलता है, जबकि यूडीएफ अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आगे कहा कि केरल की जनता जानती है कि एलडीएफ का मतलब लूट, विभाजन और विफलता है।

मोहाली में 13 करोड़ की ठगी मामले में आप नेता राकेश सोमन गिरफ्तार

मोहाली (आरएनएस)। पंजाब के मोहाली में एक बड़े धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राकेश सोमन उर्फ रॉकी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एक रियल एस्टेट कारोबारी से 13 करोड़ रुपए से अधिक की कथित ठगी के आरोप में की गई। इस मामले में उनकी पत्नी बलजीत कौर और सहयोगी बिक्रम सूरी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, राकेश सोमन लंबे समय से राजनीति में सक्रिय रहा है। लोकसभा चुनाव के दौरान बहुजन समाज पार्टी ने उसे अपना उम्मीदवार घोषित किया था, हालांकि बाद में उसने पार्टी छोड़कर आम आदमी पार्टी (आप) का दामन थाम लिया। इस पृष्ठभूमि के चलते मामले ने और भी संवेदनशीलता हासिल कर ली है।

पीड़ित कारोबारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि राकेश सोमन ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके धमकाया। आरोपी ने गैंगस्टरों के जरिए नुकसान पहुंचाने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी, जिससे कारोबारी मानसिक दबाव में आ गया। घटना के अनुसार, राकेश सोमन एक अन्य मामले में पेशी के लिए अदालत पहुंचा हुआ था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की। इस दौरान उसने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी और उसके सहयोगियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और धमकी देने जैसी गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच आगे बढ़ा दी गई है।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भारतीय रेलवे के संचालन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया

नई दिल्ली (ए.)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भारतीय रेलवे के संचालन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने देश के गरीब और मध्यम वर्ग के लिए पिछले दशक में किए गए निवेशों के लाभों पर जोर दिया। वैष्णव ने बताया कि वित्त वर्ष के दौरान रिकॉर्ड 76,352 विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जिनमें से प्रतिदिन 25,000 ट्रेनें रेलवे नेटवर्क पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में रेलवे विकास के लिए रिकॉर्ड बजट आवंटन किया है। रेलवे गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए आवागमन का मुख्य साधन है। पिछले दशक में किए गए निवेशों का लाभ देश भर के गरीबों और मध्यम वर्ग तक पहुंच रहा है। कल समाप्त हुए वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 76,352 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। रेलवे नेटवर्क पर प्रतिदिन 25,000 ट्रेनें चल रही हैं। रेलवे ने इस वर्ष 1,670 मिलियन मीट्रिक टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड भी बनाया, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में माल ढुलाई में 3.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। लौह अयस्क परिवहन में 6.73 प्रतिशत और सीमेंट परिवहन में 3.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले वित्तीय वर्ष में केवल 16 गंभीर दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जो 50 वर्षों में सबसे कम संख्या है, जो सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सप्ताह के आरंभ में, राज्यसभा में लिखित उत्तर देते हुए वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे ने देशभर के 76 स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाओं से लैस विशेष यात्री प्रतीक्षा क्षेत्र स्थापित करने की एक व्यापक योजना शुरू की है। इन क्षेत्रों का उद्देश्य व्यस्त समय में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी, शौचालय, टिकट सुविधा, सूचना प्रदर्शन और सुरक्षा जांच जैसी सुविधाओं से सुसज्जित व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराकर प्लेटफार्म पर भीड़भाड़ को कम करना है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक आदर्श प्रतीक्षा क्षेत्र का उद्घाटन किया जा चुका है, जिससे भीड़भाड़ में काफी कमी आई है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान लोकसभा में बोलते हुए।

मेरी सहेली के साथ संबंध बनाओ', पत्नी के टॉर्चर से परेशान पति पहुंचा थाने, दर्ज कराई एफआईआर

बेंगलुरु (आरएनएस)। पतियों द्वारा पत्नियों पर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के मामले तो आपने अक्सर सुने होंगे, लेकिन कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है जो आपके होश उड़ा देगा। यहां एक 37 वर्षीय शख्स ने अपनी 31 साल की पत्नी पर यौन उत्पीड़न, मानसिक क्रूरता और अप्राकृतिक कृत्य करने के लिए मजबूर करने जैसे बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित पति ने पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर पुलिस का दरवाजा खटखटाया है और न्याय की गुहार लगाई है। बेंगलुरु के अमृतहल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज इस एफआईआर ने हर किसी को चौंका दिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़ित शख्स ने अपनी पत्नी की क्रूरता की सारी हदें पार करने का जिक्र किया है। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी लगातार उस पर अपनी ही सहेली के साथ अंतरंग संबंध बनाने का दबाव डालती थी। इतना ही नहीं, पत्नी उसे अश्लील वीडियो भेजकर ऐसे अप्राकृतिक कृत्यों को दोहराने के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। पति ने यह भी बताया कि उसकी पत्नी को उनकी निजी और बेडरूम की बातें अपने दोस्तों के साथ साझा करने की बुरी आदत थी, जिससे वह मानसिक रूप से बुरी तरह टूट चुका था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उसकी पत्नी ने बेझिझक अपने पिछले और मौजूदा संबंधों की बात उसके सामने स्वीकार की थी।

भारत के लिए बड़ी खुशखबरी, सरकार का बड़ा फैसला, एलपीजी का झंझट खत्म

नई दिल्ली (ए.)। जब रास्ता बंद होता है तो समझदार देश दूसरा रास्ता खोज लेते हैं। मिडिल ईस्ट में जंग, हॉर्मोज स्ट्रेट पर खतरा और भारत के किचन तक पहुंचती गैस की किल्लत। अब तस्वीर बदलने वाली है क्योंकि बता दें कि भारत ने उठा लिया है एक सबसे बड़ा कदम। खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने की तैयारी कर ली गई है और अब नजर टिक गई है अफ्रीका के एक ऐसे देश पर जिसका नाम आपने कम सुना होगा यानी कि अंगोला। जी हां, भारत अब अंगोला से एलपीजी यानी कि रसोई गैस खरीदने की तैयारी कर रहा है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर अंगोला ही क्यों चुना गया? क्या इससे गैस संकट खत्म होगा? क्या यह भारत की ऊर्जा रणनीति का गेम चेंजर बनने वाला है? दरअसल बता दें कि ईरान युद्ध और हॉर्मोन स्ट्रेट पर बढ़ते तनाव के बीच भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती है ऊर्जा सुरक्षा। क्योंकि आज की सच्चाई बिल्कुल सामने है और वो यह है कि भारत अपनी लगभग 92% एलपीजी सप्लाई खाड़ी देशों से मंगाता है। जैसे कि यूएई, कतर, सऊदी अरब और कुवैत। और इन सभी सप्लाई का एक ही रास्ता है और वो है स्ट्रेट ऑफ हार्मोस जो सिर्फ 33 कि.मी. चौड़ा है। लेकिन दुनिया के करीब 20% तेल और गैस व्यापार का रास्ता भी यही है। यानी अगर यह रास्ता बंद हुआ तो सीधे असर भारत के किचन तक पहुंच सकता है। और यहीं से शुरू होती है भारत की नई रणनीति। सरकारी कंपनियां, इंडियन ऑयल और बाकी जो कंपनियां हैं जैसे कि बीपीसीएल, एचपीसीएल और गेट। अब अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनियों से एलपीजी खरीदने पर बातचीत कर रही है। रिपोर्ट्स जो सामने आई उसके मुताबिक भारत का लॉन्ग टर्म डील पर विचार चल रहा है। यानी अब भारत सिर्फ एक रीजन पर निर्भर नहीं रहना चाहता। भारत और अंगोला के बीच पहले से ही तेल व्यापार होता रहा है। और सबसे बड़ी बात अंगोला से आने वाला जहाज स्ट्रेट टॉप हॉर्नमूस से नहीं गुजरेगा। यानी सीधे अटलांटिक और अरब सागर के रास्ते भारत पहुंचेगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंगोला से गैस सिर्फ 12 से 18 दिन में भारत पहुंच सकती है और यह सप्लाई अमेरिका से आने वाली गैस से 10 से 15 दिन तेज हो सकती है। यानी तेज सप्लाई कम जोखिम और बेहतर विकल्प। अब जरा आप आंकड़ों से समझिए। साल 2024-25 में भारत ने 31.32 मिलियन टन एलपीजी इस्तेमाल किया। लेकिन उत्पादन लगभग 12.79 मिलियन टन पर ही अटका हुआ है। बाकी का बड़ा हिस्सा इंपोर्ट करना पड़ता है। यानी मांग बढ़ रही है। उत्पादन नहीं है और यही वजह है कि भारत को अब नए स्त्रोत तलाशने पड़ रहे हैं। सरकार ने यह भी कहा कि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के मद्देनजर देश में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के कदम उठाए गए हैं। तेल एवं गैस मंत्रालय ने कहा कि सभी रिफाइनरीज पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। मंत्रालय ने कहा कि सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों से कहा गया है कि वे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ रेस्टोरेंट, होटलों और कैंटीन सहित कमर्शल उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन देने को भी प्राथमिकता दें, जिससे कमर्शल एलपीजी की उपलब्धता से जुड़ी चिंता दूर हो सके। मंत्रालय ने कहा कि इसके साथ ही नैशनल पीएनजी ड्राइव 2.0 की अवधि अब बढ़ाकर 30 जून तक कर दी गई है।

ब्रिटिश रॉक बैंड डेफ लेपर्ड का लाइव कॉन्सर्ट अटेंड किया प्रीति जिंटा ने

मुंबई (ए.)। हाल ही में अभिनेत्री और पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने एक यादगार म्यूजिक नाइट का आनंद लिया। अभिनेत्री प्रीति ने मशहूर ब्रिटिश रॉक बैंड डेफ लेपर्ड का लाइव कॉन्सर्ट अटेंड किया। इस इवेंट की झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की है। इस खास मौके पर उनके साथ अभिनेता डिनो मोरे भी नजर आए। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि यह प्लान आखिरी समय पर बना, लेकिन बेहद शानदार साबित हुआ। उन्होंने मजाकिया अंदाज में

अपने कॉन्सर्ट पार्टनर डिनो मोरे को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे अचानक बने प्लान कभी-कभी सबसे यादगार बन जाते हैं।

प्रीति जिंटा ने बताया कि मुंबई की गर्मी भी उनके उत्साह को कम नहीं कर सकी और उन्होंने पूरे कॉन्सर्ट का भरपूर आनंद लिया। उन्होंने हंसते हुए यह भी स्वीकार किया कि उन्हें बैंड के सिर्फ चार गाने ही पता थे, लेकिन खुशी की बात यह रही कि कॉन्सर्ट में वही गाने बजाए गए, जिन्हें वह जानती थीं। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में भावुक अंदाज भी दिखाया। उन्होंने लिखा कि ऐसे पल—अचानक बने प्लान, सच्चे दोस्त और शानदार संगीत—पुरानी यादों को ताजा कर देते हैं।

उन्होंने खास तौर पर बैंड के मशहूर गाने 'पुअर सम सुगर ऑन मी' का जिक्र करते हुए बताया कि जब वह पहली बार मुंबई आई थीं, तब यह गाना वह बार-बार सुना करती थीं। अब इतने सालों बाद उसी गाने को लाइव सुनना उनके लिए एक खास अनुभव रहा। गौरतलब है कि डेफ लेपर्ड इंग्लैंड के शेफील्ड से ताल्लुक रखने वाला एक विश्वप्रसिद्ध रॉक बैंड है, जिसकी स्थापना 1977 में हुई थी। 1980 के दशक में यह बैंड हार्ड रॉक और हेवी मेटल की दुनिया में बेहद लोकप्रिय रहा। 'हिस्टेरिया' और 'पायरोमेनिया' जैसे एल्बमों के जरिए बैंड ने वैश्विक स्तर पर जबरदस्त सफलता हासिल की और रॉक संगीत में अपनी अलग पहचान बनाई।

'धुरंधर 2', 'बाहुबली 2' का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब पहुंची

मुंबई (ए.)। हाल ही में रिलीज हुई धुरंधर- द रिवेंज (धुरंधर 2) बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसको लेकर बॉलीवुड फिल्म निर्देशक आदित्य धर की 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी जबरदस्त चर्चा में है। रिकार्ड तोड कमाई कर रही इस फिल्म में रणवीर सिंह के 'हमजा' किरदार को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। उनके साथ संजय दत्त, आर माधवन और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कमाई की रफ्तार को देखते हुए यह साफ है कि 'धुरंधर 2' अब नए रिकॉर्ड बनाने की ओर तेजी से बढ़ रही है। खास बात यह है कि यह फिल्म अब एस. एस. राजामौली की ब्लॉकबस्टर बाहुबली 2- द कंक्लूजन के नौ साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब पहुंच गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'धुरंधर 2' ने नॉर्थ अमेरिका में जबरदस्त कमाई करते हुए अब तक लगभग 19.33 मिलियन डॉलर का आंकड़ा छू लिया है। वहीं 'धुरंधर' के पहले पार्ट ने इस क्षेत्र में करीब 19.7 मिलियन डॉलर कमाए थे, जबकि 'बाहुबली 2'

का रिकॉर्ड 20.19 मिलियन डॉलर से ज्यादा का है। ऐसे में ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए यह फिल्म जल्द ही यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है। फिल्म की सफलता पर 'बाहुबली 2' के प्रोड्यूसर शोबू यारलागड्डा ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा कि उन्होंने 'धुरंधर- द रिवेंज' देखी और उन्हें यह बेहद पसंद आई। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि फिल्म भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। 'धुरंधर 2' 2025 में आई हिट फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल है, जिसने दुनियाभर में करीब 1300 करोड़ रुपये की कमाई की थी। पहली फिल्म की सफलता के बाद इसके सीक्वल को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था, जो अब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में साफ दिखाई दे रहा है। फिल्म की कहानी हमजा के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें उसके अतीत और परिस्थितियों को दिखाया गया है कि कैसे जसकीरत हमजा बनता है।

"तू क्यों रो रहा है? अब रोने का समय तो हमारा है : शाहरुख खान

मुंबई (ईएमएस)। साल 2025 और 2026 में बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी दमदार फिल्मों और शानदार परफॉर्मेंस के दम पर बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त असर छोड़ा है। इस सफलता की नींव रणवीर सिंह ने उस वक्त ही रख दी गई थी, जब उन्होंने 2010 में बैंड बाजा बारात से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में 'बिट्टू शर्मा' के किरदार के जरिए रणवीर ने अपनी ऊर्जा और अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था। उनकी इसी प्रतिभा को उस समय बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने भी पहचान लिया था। रणवीर को उनकी पहली ही फिल्म के लिए फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू एक्टर का अवॉर्ड मिला था, जिसे लेते समय वह भावुक होकर स्टेज पर रो पड़े थे। यह पल और भी खास इसलिए बन गया क्योंकि यह अवॉर्ड उन्हें शाहरुख खान के हाथों मिला था।

उसी दौरान शाहरुख ने मजाकिया लेकिन दिल छू लेने वाले अंदाज में कहा था, "तू क्यों रो रहा है? अब रोने का समय तो हमारा है, क्योंकि हिंदी सिनेमा में तू जो आ गया है, अब पता नहीं हमारा क्या होगा।" यह बयान उस समय रणवीर की काबिलियत का सबसे बड़ा प्रमाण बन गया था। रणवीर सिंह का करियर केवल एक डेब्यू नहीं, बल्कि हिंदी सिनेमा में एक नई ऊर्जा का आगाज था। उन्होंने समय-समय पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है।

लुटेरा में उनकी संजीदा अदाकारी हो या राम-लीला और बाजीराव मस्तानी जैसी फिल्मों में उनका जोश, हर किरदार में उन्होंने खुद को साबित किया है। 'ऐंवई ऐंवई लूट गया' जैसे गानों से शुरू हुआ उनका सफर अब बड़े प्रोजेक्ट्स और सुपरहिट फिल्मों तक पहुंच चुका है। हालिया समय में उनकी फिल्मों ने जिस तरह सफलता हासिल की है, उसने उन्हें इंडस्ट्री के टॉप एक्टर्स की कतार में खड़ा कर दिया है। रणवीर सिंह ने अपनी मेहनत, ऊर्जा और टैलेंट के दम पर बॉलीवुड में खास मुकाम हासिल किया है।

'जो नहीं है, उसे थामे रहना बुरा होता है'; जायेद खान ने ऋतिक रोशन और सुजैन खान के तलाक पर दी प्रतिक्रिया

अभिनेता जायेद खान का ऋतिक रोशन से भी काफी करीबी नाता रहा है। जायेद ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान के भाई हैं। हालांकि, ऋतिक और सुजैन का रिश्ता शादी के 14 साल बाद 2014 में खत्म हो गया था। लेकिन अभी भी दोनों के बीच अच्छी दोस्ती है। अब सुजैन के भाई और अभिनेता जायेद खान ने ऋतिक रोशन को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने ऋतिक और सुजैन के अलग होने पर भी अपनी राय रखी।

यह होना तय नहीं था

जूम के साथ हालिया बातचीत में ऋतिक-सुजैन के अलगाव पर जायेद ने कहा कि यह होना तय नहीं था। लेकिन अगर आप किसी ऐसी चीज को थामे रखने की कोशिश करते हैं जो है ही नहीं, तो और भी बुरा होता है। दोनों लोग परेशान होते हैं। आखिर किसलिए?

मेरा मतलब है, आपके पास अपने बच्चे हैं, जिनका आपको इंतजार रहता है, उनके जीवन में शामिल होना है, उनके बड़े होने के पलों को देखना है, उन्हें एक शानदार युवा सज्जन बनते देखना है। इसलिए यही सब कुछ बन गया। वहीं ऋतिक और सुजैन दोनों के तलाक के बाद अपने-अपने जीवन में आगे बढ़ने पर एक्टर ने कहा कि जो हो गया सो हो गया।

अब इस पर ध्यान दें और अपनी खुशी खुद ढूंढें। हम समाज के दबाव में चलने वाले आम परिवारों की तरह नहीं हैं। हम कुछ मामलों में ज्यादा जागरूक और शिक्षित हैं। मुझे पता है कि ज्यादातर लोगों को यह बहुत अजीब लगता है। कुछ लोग युवा हैं, कुछ लोग खुद दुखी हैं, कुछ लोग इसे समझ ही नहीं पाते और यह ठीक है। कोई बात नहीं।

ऋतिक-सुजैन को अच्छे साथी मिले हैं

अलग होने के बाद भी ऋतिक और सुजैन अच्छे दोस्त हैं और बच्चों की मिलकर देखभाल करते हैं। जायेद खान का कहना है कि मुझे लगता है कि प्यार एक बहुत व्यापक शब्द है। उनके बीच का सम्मान और प्यार कहीं अधिक मायने रखता है। उन्हें बेहतरीन जीवनसाथी मिले हैं। मैं सबा को बहुत पसंद करता हूं और मुझे लगता है कि वह एक बहुत ही अच्छी इंसान हैं। मैं अरसलान को भी बहुत पसंद करता हूं, वह मेरे छोटे भाई की तरह हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर ऋचा चड्ढा को दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई फटकार; जानिए क्या है मामला?

दिल्ली हाई कोर्ट ने ऋचा चड्ढा को उनके एक सोशल मीडिया पोस्ट्स के लिए फटकार लगाई है। इसमें अभिनेत्री ने आरोपों के आधार पर एक शख्स को 'मॉलेस्टर' कह दिया है। ऋचा के अलावा कोर्ट ने एक पत्रकार और कुछ अन्य प्लेटफॉर्म्स को भी उनके पोस्ट के लिए फटकारा है। इन सोशल मीडिया पोस्ट्स में एक व्यक्ति पर विमान के भीतर हुई एक घटना के बाद कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों के आधार पर उसे 'छेड़छाड़ करने वाला' बताया गया था।

'एफआईआर की सीमाओं का साफतौर पर उल्लंघन'

जस्टिस विकास महाजन ने कहा कि सोशल मीडिया पर गढ़ी गई कहानियों ने एफआईआर की सीमाओं का साफतौर पर उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि इन प्रकाशनों ने न केवल FIR में लगे आरोपों की रिपोर्टिंग की, बल्कि मामले पर समय से पहले ही अपना फैसला भी सुना दिया। कोर्ट ने इस सिलिसले में कई पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने इसे 'सोशल मीडिया का सबसे आपत्तिजनक और बेवजह इस्तेमाल' बताया, जिसके जरिए मामले के तथ्यों की पुष्टि किए बिना ही एक मुद्दे को सनसनीखेज बनाने की कोशिश की गई।

अदालत ने क्या कहा?

अदालत ने कहा, 'संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट में वादी को 'छेड़छाड़ करने वाला' बताया गया है और यह शब्द उसकी तस्वीर के ठीक ऊपर बड़े अक्षरों में लिखा गया है। इस तस्वीर में वादी और उसके नियोक्ता का नाम भी शामिल है। प्रथम दृष्टया, यह ऑनलाइन मानहानि का मामला बनता है, जिससे वादी को सार्वजनिक उपहास और प्रतिष्ठा की हानि का सामना करना पड़ सकता है'। एक मानहानि के मुकदमे की सुनवाई करते हुए जज ने यह कहा। इस मुकदमें को एक शख्स ने एक स्वतंत्र पत्रकार, मेटा प्लेटफॉर्म, इंडियो एयरलाइंस, कई सोशल मीडिया पोस्ट और एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा के खिलाफ दायर किया था।

सलमान खान की नई हीरोइन बनी साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा, हो गया बड़ा ऐलान

बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान और साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा की जोड़ी को लेकर चल रही चर्चाओं पर आखिरकार मुहर लग गई है। नयनतारा अब साउथ के मशहूर निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के निर्देशन में बनने वाली आगामी एक्शन-ड्रामा फिल्म में सलमान के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। जवान की अपार सफलता के बाद अब नयनतारा सलमान के साथ मिलकर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं के साथ-साथ खुद नयनतारा ने सोशल मीडिया पर ये ऐलान कर दिया है, जिससे उनके प्रशंसक फूले नहीं समा रहे हैं। सलमान और नयनतारा, अब पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं, जो दर्शकों के लिए एक बिल्कुल नया और रोमांचक अनुभव लेकर आएगा।

'आचारी बा' महिला सशक्तीकरण की प्रेरणादायक कहानी : हेमा मालिनी

मुंबई (ए.)। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने नीना गुप्ता स्टारर फिल्म आचारी बा की खुलकर तारीफ की है और लोगों से इसे देखने की अपील भी की है। सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए अभिनेत्री ने फिल्म को महिला सशक्तीकरण और दृढ़ संकल्प की एक शानदार मिसाल बताया।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा कि यह एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जिसमें एक महिला के संघर्ष और आत्मनिर्भरता को बेहद सरल और प्रभावशाली तरीके से दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए खासतौर पर नीना गुप्ता के अभिनय की तारीफ की।

हेमा मालिनी ने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि फिल्म में नीना गुप्ता का प्रदर्शन बेहद शानदार है और उनके साथ नजर आने वाला गोल्डन रिट्रीवर भी कहानी में खास आकर्षण जोड़ता है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि इस तरह की प्रेरणादायक फिल्मों को जरूर देखना चाहिए। फिल्म की कहानी एक साधारण मध्यवर्गीय महिला आचारी बा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गांव में आचार बनाकर अपना गुजारा करती है। उनका बेटा मुंबई में रहता है, लेकिन उनसे दूरी बनाए रखता है। एक दिन वह अपनी मां को शहर ले आता है, जहां आचारी बा को पता चलता है कि उन्हें घर में कुत्ते की देखभाल के लिए बुलाया गया है। इसी दौरान सोशल मीडिया के जरिए आचारी बा की जिंदगी बदलती है और वह धीरे-धीरे लोकप्रिय हो जाती हैं। अंतत: वह एक कुकिंग प्रतियोगिता जीतकर अपनी पहचान बना लेती हैं।

फिल्म में भावनात्मक उतार-चढ़ाव के साथ आत्मसम्मान, संघर्ष और रिश्तों की जटिलताओं को बारीकी से दिखाया गया है। फिल्म में नीना गुप्ता के बेटे की भूमिका वत्सल सेठ ने निभाई है, और उनकी परफॉर्मेंस भी कहानी को मजबूती देती है। 'आचारी बा' आज भी दर्शकों के लिए एक प्रेरणादायक और दिल को छू लेने वाला सिनेमाई अनुभव बनी हुई है। बता दें कि बता दें कि 'आचारी बा' 14 मार्च 2025 को होली के मौके पर ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। रिलीज के समय भी फिल्म को इसकी कहानी और भावनात्मक प्रस्तुति के लिए काफी सराहना मिली थी।

रैपर डिवाइन और रियार साहब का नया गाना रिलीज; अपने धमाकेदार डांस से महफिल लूट ले गईं मौनी रॉय

रैपर डिवाइन का नया म्यूजिक वीडियो 'सॉसी' रिलीज हो गया है। इसमें सिंगर रियार साहब और मौनी रॉय भी नजर आए हैं। यह ट्रैक डिवाइन के हालिया एल्बम 'वॉकिंग ऑन वाटर' का हिस्सा है, जो मुंबई के म्यूजिक सीन से लेकर ग्लोबल ऑडियंस तक रैपर के सफर को दिखाता है। गाने में मौनी रॉय ने अपने जबर्दस्त डांस से महफिल लूट ली है।

सिंगापुर में फिल्माया गया है गाना

भारतीय गीतकार रैपर डिवाइन की नई एल्बम 'वॉकिंग ऑन वॉटर' काफी पसंद की जा रही है। इसका नया म्यूजिक वीडियो और भी शानदार है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह गाना सिंगापुर में शूट हुआ है। इसके विजुअल्स लोकप्रिय लोकेशंस के हैं, जिनमें हेलिक्स ब्रिज, हाजी लेन और स्विसोटेल द स्टैमफोर्ड हेलीपैड के सीन लोगों का खूब ध्यान खींच रहे हैं। म्यूजिक वीडियो में मौनी रॉय लीड रोल में हैं।

सिंगापुर में क्यो किया शूट ?

करण कंचन द्वारा प्रोड्यूस किया गया यह गाना। रैपर डिवाइन के खास रैप स्टाइल और रियार साहब की सुरीली आवाज के साथ 'सॉसी' गाना एक ऐसा हिप-हॉप ट्रैक बनता है, जो काफी अलग है। इस ट्रैक और इसके माहौल के बारे में बात करते हुए डिवाइन ने कहा कि यह गाना अच्छा महसूस कराने और सुनने में आसान होने के लिए कहा, 'जब हम यह तय कर रहे थे कि इस ट्रैक की शूटिंग कहां की जाए, तो सिंगापुर ही सबसे सही लगा। मैं हाल ही में स्र1 के लिए वहां गया था और वहां की रफ्तार मेरे साथ रह गई'।

मौनी रॉय ने शेयर किया अपना अनुभव

मौनी रॉय ने भी सिंगापुर में शूटिंग करने का अपना अनुभव भी शेयर किया और बताया कि उन्हें यह शहर बेहद पसंद आया। उन्होंने कहा, 'सिंगापुर काफी समय से मेरी ट्रैवल विश लिस्ट में था और अब इसने मेरा दिल जीत लिया है। 'सॉसी' की शूटिंग के दौरान पहली बार इस बेहद खूबसूरत देश को अनुभव करना एक बिल्कुल ही अलग एहसास था। यहां का खाना, फैशन, और एनर्जी, सब कुछ इतनी सहजता से एक साथ घुल-मिल जाता है'।

स्मूद पंजाबी टच लाना चाहते थे रियार साहब

वहीं, सिंगर रियार साहब ने इस कोलैबोरेशन के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब म्यूजिक बनाने की बात आती है, तो भाई और मेरे बीच एक नैचुरल केमिस्ट्री है। 'सॉसी' उन ट्रैक्स में से एक था, जिसमें पहले दिन से ही एनर्जी एकदम सही थी। सिंगापुर बहुत शानदार था, पूरे शूट का एक अलग ही एहसास था। मैं बस इस ट्रैक में वो स्मूद पंजाबी टच लाना चाहता था, ताकि लोग इसके साथ थिरक सकें'।

चेन्नई सुपर किंग्स छोड़ना बहुत इमोशनल था, राजस्थान रॉयल्स में वापसी पर जडेजा ने बोली बड़ी बात

नईदिल्ली (ए.)। अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 17 साल बाद राजस्थान रॉयल्स की जर्सी में वापसी की. उन्होंने आईपीएल में अपने करियर की शुरुआत 2008 में इसी टीम के साथ की थी।

सोमवार को गुवाहाटी में आईपीएल 2026 के अपने पहले मैच में जडेजा ने राजस्थान रॉयल्स की आठ विकेट की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद, अपनी पुरानी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए इमोशनल मैच के बारे में बात की।

बता दें कि आईपीएल शुरू होने से पहले एक बड़े ट्रेड के बाद जडेजा राजस्थान में चले गए. उन्होंने माना कि यह बदलाव आसान नहीं था।

जडेजा ने कहा, मुझे गुलाबी रंग पसंद आ रहा है. पीला रंग थोड़ा पुराना लगने लगा था, लेकिन मैं तो बस मजाक कर रहा हूं. जाहिर है, चेन्नई सुपर किंग्स जैसी फ्रैंचाइजी को छोड़ना, जहां मैं 12-13 साल खेला था, शुरू में थोड़ा मुश्किल था. यह बहुत इमोशनल था. लेकिन मैंने खुद से कहा कि इस तरह के बदलाव भी सफर का हिस्सा होते हैं. अच्छी बात यह थी कि अब मैं उस टीम के साथ हूं जिसके साथ मैंने पहली बार आईपीएल का खिताब जीता था. उन्होंने आगे कहा, वह याद हमेशा मेरे साथ रही है कि अंडर-19 वर्ल्ड कप के बाद, मैंने वहीं से अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और अपने पहले ही सीजन में खिताब जीता था. मैंने उन यादों को एक पॉजिटिव सोच के साथ संजोकर रखा है, और मेरा मकसद है कि मैं इस नए ग्रुप के साथ जितना हो सके सीखूं और टीम के साथ अपना अनुभव भी शेयर करूं।

IPL में एक ही टीम के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले 5 खिलाड़ी, विराट कोहली शीर्ष पर

नई दिल्ली (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। मौजूदा समय में 19वां सीजन (आईपीएल 2026) खेला जा रहा है। पिछले 18 सीजन में ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो कई टीमों के लिए खेल चुके हैं, लेकिन हम आपको ऐसे 5 खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो आईपीएल में ज्यादातर सीजन या फिर पूरे आईपीएल करियर में सिर्फ 1 ही टीम के लिए खेले हैं। विराट कोहली: विराट कोहली 2008 से ही आरसीबी का हिस्सा हैं। आईपीएल में किसी भी एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। 2026 में एसआरएच के खिलाफ खेले गए उद्घाटन मुकाबले तक कोहली आरसीबी के लिए कुल 268 मैच खेल चुके हैं। एमएस धोनी: सीएसके के साथ एमएस धोनी 2008 से जुड़े हैं और 5 बार अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बना चुके हैं। 2016 और 2017 में सीएसके प्रतिबंधित थी। इस वजह से धोनी राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की तरफ से खेले थे। इसके अलावा पिछले 18 सीजन में 16 सीजन धोनी सीएसके की तरफ से खेले हैं। आईपीएल 2025 तक धोनी ने सीएसके के लिए कुल 248 मैच खेले हैं और एक टीम के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

रोहित शर्मा: 2008 से 2010 तक डेक्कन चार्जेस का हिस्सा रहे रोहित शर्मा 2011 से मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं। रोहित आईपीएल 2026 में केकेआर के खिलाफ हुए मैच तक 228 मैच खेल चुके हैं। वह एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं।

सुनील नरेन: ऑफ स्पिनर सुनील नरेन 2012 से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़े हुए हैं। आईपीएल 2026 में एमआई के खिलाफ हुए मैच तक नरेन केकेआर के लिए 190 मैच खेल चुके हैं।

किरोन पोलार्ड: पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए 189 मैच खेले हैं। वह एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। पोलार्ड अब आईपीएल से संन्यास ले चुके हैं और एमआई के बल्लेबाजी कोच हैं। विश्व कप में यूईएफए की सभी 16 जगहें अब तय हो गई हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेंगी।

पंजाब ने गुजरात को तीन विकेट से हराकर जीत के साथ किया आगाज, कोनोली ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारी

नईदिल्ली, (ए.)। आईपीएल 2026 के चौथे मैच में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और फिर शानदार गेंदबाजी करके गुजरात टाइटन्स को 162 रन पर ही रोक दिया. उसके बाद प्रभसिमरन सिंह (37) और कूपर कोनोली के 44 गेंदों में नाबाद 72 रनों की पारी की वजह से 19.1 ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया।

एक समय पंजाब की टीम आसानी से मैच को जीतते हुए नजर आ रही थी जब उसका स्कोर 12 ओवर में 2 विकेट पर 110 रन था, लेकिन उसके बाद पंजाब ने 44 रन के अंदर 5 विकेट खो दिए, जिसके बाद उनका स्कोर 17 ओवर में 7 विकेट पर 144 रन हो गया. लेकिन कोपर कोनोली ने 72 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी.कोनोली ने अपनी पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाए. जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. प्रभसिमर और कोनोली के अलावा कोई दूसरा बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना सके. कप्तान श्रेयस अय्यर 18 रन बनाकर आउट हो गए. वही गुजरात की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा सबसे सफल गेंद बाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. इसके अलावा रबाड़ा, आशोक, राशिद खान और सुंदर को एक-एक विकेट मिला.इससे पहले न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरे 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जारी की केंद्रीय अनुबंध की सूची, मैक्सवेल को नहीं मिली जगह

नईदिल्ली (ए.)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2026-27 सीजन के लिए पुरुष खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध (सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट) सूची जारी कर दी है। इस 21 खिलाड़ियों की सूची में कई चौंकाने वाले फैसले देखने को मिले हैं, जिसमें कुछ बड़े नामों को बाहर रखा गया है। चयन समिति ने व्यस्त टेस्ट क्रिकेट के शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए मल्टी-फॉर्मेट खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है। टीम को बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है।

इस नई अनुबंध सूची में युवा ओपनर सैम कोनस्टास, तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन, बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को जगह नहीं मिली है। खासतौर पर मैक्सवेल का बाहर होना सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। इससे साफ है कि टीम मैनेजमेंट लंबे फॉर्मेट और भविष्य की योजनाओं पर ज्यादा ध्यान देना चाहती है। वहीं, स्पिनर टॉड मर्फी और नए खिलाड़ियों जैसे ब्रेंडन डॉगेट और जेक वेदराल्ड को अनुबंध में शामिल किया गया है।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि अगले 12 महीनों में अलग-अलग परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट ज्यादा खेला जाएगा, इसलिए मल्टी-फॉर्मेट खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि गैर-अनुबंध खिलाड़ी भी अपने प्रदर्शन के आधार पर भविष्य में मौका पा सकते हैं। चयनकर्ताओं का मानना है कि टीम को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार नए खिलाड़ियों को तैयार करना जरूरी है।

जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, पैट कमिंस, ब्रेंडन डॉगेट, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिशेल मार्श, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर और एडम जैम्पा।

युजवेंद्र चहल आईपीएल में शुभमन गिल को संयुक्त सर्वाधिक बार आउट करने वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के चौथे मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 39 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें युजवेंद्र चहल ने आउट किया। आईपीएल के इतिहास में ये चौथा मौका था जब चहल ने गिल को आउट किया है। चहल संयुक्त रूप से आईपीएल में सबसे ज्यादा बार शुभमन को आउट करने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। चहल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए और उनकी इकॉनमी 7 की रही।

आईपीएल में दोनों खिलाड़ी 9 पारियों में आमने-सामने आए हैं। इस दौरान चहल ने शुभमन को 4 बार आउट किया है। इस बीच गुजरात टाइटंस के कप्तान ने 57 गेंदों का सामना किया और सिर्फ 69 रन बनाए। उनकी स्ट्राइक रेट 121.05 और औसत 17.25 की रही। चहल के अलावा आईपीएल में शुभमन को एनरिक नोर्खिया (9 पारी), हार्दिक पांड्या (10 पारी), आवेश खान (11 पारी), दीपक चाहर (13 पारी) और भुवनेश्वर कुमार (13 पारी) 4-4 बार आउट कर चुके हैं।

चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2013 में अपना पहला मुकाबला खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 175 मुकाबले खेले हैं और इसकी 173 पारियों में 22.69 की औसत और 7.95 की इकॉनमी रेट से 223 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 8 बार 4 विकेट हॉल और 1 बार 5 विकेट हॉल लिया है। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/40 का रहा है। चहल एकमात्र गेंदबाज हैं जिन्होंने आईपीएल में 200 से ज्यादा विकेट लिए हैं।

बोस्निया से हारकर इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर, लगातार तीसरी बार चूकी मौका

बर्लिन (ए.)। चार बार की चैंपियन इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। पेनल्टी से तय हुए एक रोमांचक प्लेऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से हारने के बाद इटली को लगातार तीसरी बार बार फीफा विश्व कप से बाहर होना पड़ा। जेनिका में हुआ यह मैच अतिरिक्त समय के बाद 1-1 से बराबर रहा, जिसके बाद बोस्निया ने शूटआउट में 4-1 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोस्निया ने 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाई।

इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनाजोला ने कहा, हमें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। यह सभी के लिए दुखद है।

हेड कोच जेननारो गुट्टुसो ने मैच के बाद माफी मांगते हुए कहा कि टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिका में इटली शुरुआत में ही सही रास्ते पर लग रहा था जब मोइज कीन ने बोस्निया के गोलकीपर निकोला वासिलज की एक बड़ी गलती का फायदा उठाकर मेहमान टीम को 15वें मिनट में बढ़त दिला दी। हाफटाइम से पहले मैच का रुख तब बदल गया जब इटली के सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बास्टोनी को लास्ट-मैन फाउल के

लिए बाहर भेज दिया गया, जिससे मेहमान टीम को लंबे समय तक डिफेंसिव लड़ाई लड़नी पड़ी।10 खिलाड़ियों तक सिमटने के बाद, इटली ने पीछे हटकर बढ़त बचाने की कोशिश की, लेकिन बोस्निया ने दबाव बनाया, और आखिरकार 79वें मिनट में हारिस तबाकोविक ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।अतिरिक्त समय में कोई भी टीम जीत नहीं पाई, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया जिसमें इटली को हार का सामना करना पड़ा। सैंड्रो टोनाली स्पॉट से गोल करने वाले अकेले इतालवी खिलाड़ी थे। पियो एस्पोसिटो ने ऊपर से शॉट मारा, जबकि ब्रायन क्रिस्टांटे ने बार के नीचे से शॉट मारा और उनका शॉट बाहर चला गया। बोस्निया ने चारों पेनल्टी को गोल में बदला, जिसमें एस्मिर बजरकतारेविक ने निर्णायक किक लगाई।मंगलवार को दूसरी जगह, चेक रिपब्लिक भी अतिरिक्त समय के बाद डेनमार्क के साथ 2-2 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट से आगे बढ़ा। चेक टीम ने शूटआउट में कुल स्कोरिंग में 5-3 से जीत हासिल की और 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।स्वीडन ने पोलैंड पर 3-2 से जीत के साथ क्वालिफिकेशन पक्का किया। विक्टर ग्योकेरेस के 88वें मिनट में गोल करने से पहले स्वीडन ने दो बार बढ़त गंवाई और अपनी टीम को आगे बढ़ाया।अर्दा अकतुर्कोग्लू के 53वें मिनट में किए गए विजयी गोल की बदौलत तुर्किये ने भी कोसोवो को 1-0 से हराकर वर्ल्ड कप के लिए अपनी टिकट पक्की कर ली।

विदेश समाचार

ट्रंप की 'धमकी' सिर्फ 'शोर', ईरान युद्ध के बीच ब्रिटेन ने भी छोड़ा ट्रंप का साथ, बुलाई 35 देशों की बैठक

लंदन(ए.)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर वैश्विक चिंता के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने साफ किया है कि उनकी सरकार का फोकस देश के आर्थिक हित, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक समाधान पर है। उन्होंने कहा कि वह समझते हैं कि लोग बढ़ती महंगाई और रोजमर्रा के खर्च को लेकर क्यों चिंतित हैं, और इसी से निपटने के लिए सरकार पहले ही एक पांच-पॉइंट प्लान पर काम कर रही है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन, ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियान में शामिल नहीं होगा। उन्होंने साफ-साफ कहा कि यह हमारी लड़ाई नहीं है। उनका यह फैसला ऐसे समय में आया है जब नाटो सहयोगी देशों की तरफ से ब्रिटेन पर इस जंग में कूदने का भारी दबाव बनाया जा रहा था। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि वह देश की सेना को किसी ऐसे आक्रामक अभियान का हिस्सा नहीं बनने देंगे, जिससे ब्रिटेन के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचे।

ट्रंप की चेतावनी सिर्फ 'शोर'

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाटो से बाहर निकलने की संभावित चेतावनी पर भी स्टार्मर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे दबाव बनाने की कोशिश और शोर बताते हुए कहा कि नाटो अब तक का सबसे प्रभावी सैन्य गठबंधन है और ब्रिटेन इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, चाहे कितना भी प्रेशर या शोर हो, मैं हर फैसला अपने देशहित को ध्यान में रखकर ही लूंगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ब्रिटेन इस संघर्ष में सीधे शामिल नहीं होगा। यह हमारी लड़ाई नहीं है, और हम इसमें नहीं फंसेंगे, उन्होंने कहा, लेकिन साथ ही जोड़ा कि रक्षा, सुरक्षा और आर्थिक भविष्य को देखते हुए यूरोप के साथ करीबी संबंध बनाना जरूरी है।होर्मुज संकट पर स्टार्मर ने कूटनीतिक पहल की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन इस हफ्ते के आखिर में उन देशों के साथ एक अहम बैठक की मेजबानी करेगा, जो होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में सहयोग करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यवेट कूपर इस बैठक की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें नेविगेशन की आजादी बहाल करने, फंसे जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जरूरी सामानों की आवाजाही फिर से शुरू करने पर चर्चा होगी। स्टार्मर के मुताबिक, ब्रिटेन पहले ही इस दिशा में सक्रिय है। विदेश मंत्री और चांसलर जी7 देशों के समकक्षों से बातचीत कर चुके हैं, जबकि रक्षा मंत्री मिडिल ईस्ट के साझेदारों के संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि यूके ने खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा के लिए 35 देशों को एक साझा पहल के तहत साथ लाया है।

इराक में अवार्डी अमेरिकी पत्रकार का अपहरण, घसीटकर कार में बैठाकर हुए फरार

सुरक्षा बलों ने किया पीछा, आरोपियों की कार अनियंत्रत होकर पलटी, एक गिरफ्तार

बगदाद,(ए.)। इराक की राजधानी बगदाद में मंगलवार को सड़कों पर चहल-पहल थी, तभी कुछ अज्ञात नकाबपोश आए और एक अमेरिकी पत्रकार को पकड़कर ले गए। ये अवॉर्ड विनिंग अमेरिकी पत्रकार शेली किटल्सन थीं, जिनका बीच बाजार अपहरण कर लिया गया है। इराकी आंतरिक मंत्रालय और पुलिस सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। ये पूरी खौफनाक घटना सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट में चश्मदीदों और पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शेली किटल्सन अपनी कार से कहीं जा रही थीं, तभी दो गाड़ियों ने उनका रास्ता रोक लिया। फुटेज में दिख रहा है कि हथियारबंद नकाबपोशों ने शेली की कार का दरवाजा जबरन खोला और उन्हें अपनी गाड़ी की ओर ले गए। चश्मदीदों का कहना है कि शेली चिल्लाती रहीं, लेकिन अपहरणकर्ता ने उन्हें बंदूक की बट मारकर चुप करा दिया और अपनी गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए।

शेली किटल्सन कोई साधारण नाम नहीं हैं, वे एक जांबाज और अवॉर्ड विनिंग जर्नलिस्ट हैं जो लंबे समय से मिडिल ईस्ट के खतरनाक इलाकों से रिपोर्टिंग कर रही हैं। शेली के पास अमेरिकी पासपोर्ट है, जो इस किडनैपिंग को एक अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मुद्दा बनाता है। शेली अक्सर इराक और सीरिया में सक्रिय आतंकी गुटों और मिलिशिया के खिलाफ लिखती रही हैं। माना जा रहा है कि उनकी हालिया रिपोर्टिंग की वजह से ही वे किसी ताकतवर गुट के निशाने पर आ गईं। बताया जा रहा है कि किडनैप होने के बाद अमेरिकी पत्रकार शेली को छुड़ा लिया गया है।

दुर्घटनाग्रस्त हुआ अमेरिका का एफ-35 फाइटर जेट, पायलट ने इजेक्ट कर बचाई खुद की जान

नेवादा(ए.)। अमेरिका के नेवादा राज्य में लास वेगास के पास स्थित नेलिस एयर फोर्स बेस पर एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहाँ वायुसेना का एक अत्याधुनिक एफ-35 फाइटर जेट उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरुआती अपुष्ट खबरों में इस विमान के एफ -15 होने की चर्चा थी, लेकिन बाद में आधिकारिक सूत्रों और सैन्य बयानों के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि क्रैश होने वाला विमान वास्तव में एफ -35 फाइटर जेट था। यह घटना नेवादा के क्लार्क काउंटी इलाके में हुई, जिससे सैन्य हलकों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।वायुसेना द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह हादसा अमेरिकी समयानुसार शाम करीब 5 बजे के आसपास हुआ। जैसे ही विमान में तकनीकी खराबी या असंतुलन की स्थिति पैदा हुई, बेस पर तुरंत इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया गया। राहत की बात यह रही कि विमान के जमीन से टकराने से ठीक पहले पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सुरक्षित तरीके से इजेक्ट कर लिया।

नेपाल में फिर डोली धरती, मुगु जिले में 4.0 तीव्रता का भूकंप

-करनाली प्रांत में तड़के लगे भूकंप के झटके, कई जिलों में महसूस हुई कंपन

काठमांडू,(ए.) नेपाल में बुधवार तड़के एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों के अनुसार करनाली प्रांत के मुगु जिले में रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का भूकंप आया।

भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के मुताबिक इसका केंद्र मुगु जिले के धैनाकोट क्षेत्र में था। झटके आसपास के जिलों—हुमला, जुमला और कालिकोट में भी महसूस किए गए। फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान भूकंप से किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

इससे पहले 29 मार्च 2026 को भी नेपाल के सिंधुपालचोक जिले में 4.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। उसका केंद्र नुल्थाला खर्का क्षेत्र के पास था, जो राजधानी काठमांडू से करीब 80 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। उस दौरान भी काठमांडू सहित कई इलाकों में झटके महसूस किए गए थे।नेपाल भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में आता है। यह हिमालयी क्षेत्र के नीचे स्थित है, जहां टेक्टोनिक प्लेट—विशेष रूप से भारतीय और यूरेशियन प्लेट—आपस में टकराती हैं। इसी टकराव के कारण क्षेत्र में लगातार भूगर्भीय हलचल बनी रहती है। हर साल कई छोटे-बड़े भूकंप आते हैं। नेपाल में 90 से अधिक सक्रिय फॉल्ट लाइनें होने के कारण इसे दुनिया के सबसे उच्च भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्रों में गिना जाता है।

बड़ा विमान हादसा: सेना का AN-26 विमान क्रैश, 29 लोगों की मौत

मॉस्को (ए.)। बुधवार सुबह रूस के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि क्रीमिया में रूसी सेना का एक एएन-26 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 चालक दल के सदस्य और 23 यात्रियों की मौत हो गई। एजेंसी के अनुसार, विमान एक चट्टान से टकरा गया था। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार देर रात यह विमान क्रीमिया प्रायद्वीप के ऊपर एक निर्धारित उड़ान पर था, तभी उससे संपर्क टूट गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे की वजह तकनीकी खराबी थी और विमान पर किसी तरह का हमला नहीं हुआ था। मंत्रालय ने कहा, 31 मार्च को शाम करीब 6 बजे (मॉस्को समय) क्रीमिया क्षेत्र के ऊपर उड़ान के दौरान एएन-26 विमान से संपर्क टूट गया था।बाद में खोज और बचाव दल ने दुर्घटनास्थल का पता लगा लिया। वहां से मिली रिपोर्टों के अनुसार, विमान में सवार चालक दल के छह सदस्य और 23 यात्री मारे गए हैं। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि कुल कितने लोग विमान में सवार थे, लेकिन किसी के भी बचने की सूचना नहीं दी गई। एएन-26 एक हल्का सैन्य परिवहन विमान है, जो कई दशकों से इस्तेमाल में है और कम व मध्यम दूरी पर सामान के साथ करीब 40 यात्रियों को ले जा सकता है।इससे पहले दिसंबर 2025 में भी रूस में एक बड़ा सैन्य विमान हादसा हुआ था। 9 दिसंबर को, मॉस्को के पूर्व में स्थित इवानोवो क्षेत्र के इवानकोवो गांव के पास एक परीक्षण उड़ान के दौरान एक एंटोनोव एएन-22 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान मरम्मत कार्य के बाद उड़ान पर निकला था, जिससे यह संकेत मिलता है कि घटना के समय वह मरम्मत के बाद के परीक्षण से गुजर रहा था। इस हादसे में भी कोई जीवित नहीं बचा। हालांकि शुरू में विमान में सवार लोगों की संख्या नहीं बताई गई थी, लेकिन उसमें चालक दल के 7 सदस्य थे और सभी की मौत हो गई। यह घटना रूसी सैन्य विमानन के लिए एक बड़ी क्षति थी।

जन्मसिद्ध नागरिकता मामले में अदालत में उपस्थित होंगे डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन(ए.)।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह जन्मसिद्ध नागरिकता पर सुनवाई के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित होने की योजना बना रहे हैं। शीर्ष अदालत इस मुद्दे पर उनके कार्यकारी आदेश को चुनौती देने वाले एक महत्वपूर्ण कानूनी मामले की सुनवाई करने जा रही है।ट्रंप ने अदालत में उपस्थित होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, मुझे लगता है हाँ, मैं जाऊँगा क्योंकि मैं इस तर्क को लंबे समय से सुनता आ रहा हूँ। यह मामला ट्रंप के उस प्रयास पर केंद्रित है, जिसमें वे गैर-नागरिक माता-पिता के अमेरिका में जन्मे बच्चों को स्वत: नागरिकता देने की व्यवस्था को समाप्त करना चाहते हैं- जो 14वें संशोधन पर आधारित एक लंबे समय से चली आ रही संवैधानिक व्याख्या है।

हस्त नक्षत्र में आज मनाया जाएगा संकट मोचन का जन्मोत्सव

सीहोर (निप्र)। चिरंजीवी भगवान हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर जिलेभर में मंदिरों में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। चिरंजीवी भगवान हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर जिलेभर में मंदिरों में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पंडित सुनील शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं को भगवान को प्रसन्न करने के लिए लालफूल, सिदूर ,गुड़,चना,पान का बीड़ा,कैला इत्र, मिष्ठान आदि भैट करना चाहिए और दिनभर राम राम सीता राम का जाप करें। श्री रामचरितमानस, सुंदरकांड,श्री राम रक्षा स्तोत्र, हनुमान चालीसा, बजरंग बाण,हनुमान अष्टक का पाठ करने से मनुष्य को विशेष फल की प्राप्ति होती है और नवग्रह पीड़ा और साडेसाती से मुक्ति मिलती है। उक्त पर्व दान पुण्य के लिए विशेष महत्व रखता है इसलिए गौ सेवा,जरूरतमंदों को अन्य वस्त्र दान करना चाहिए इस दिन किया हुआ दान व पूजा पुण्यकारी फल प्रदान करती है ।

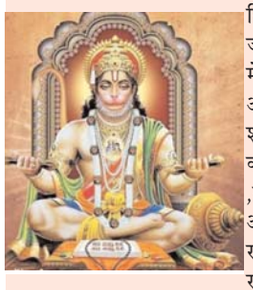

पीएमश्री स्कूल में कलेक्टर को गुरुजी बताते हुए मंत्री ने कहा शिक्षकों को समय से आना चाहिए

को प्राईवेट स्कूल छोड़कर महारानी लक्ष्मी बाई जैसे सरकारी स्कूल में पढना चाहिए-मंत्री

सीहोर। पी.एम.श्री महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उ.मा.वि में बुधवार को जिला स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथ के रूम में प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा सम्मलित हुए। छात्राओं को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने मंच पर उपस्थित कलेक्टर बालागुरु के को गुरू जी बताते हुए कहा कि पीएमश्री स्कूल के शिक्षकों को समय से स्कूल आना चाहिए और बच्चों को प्राईवेट स्कूल छोड़कर महारानी लक्ष्मी बाई जैसे सरकारी स्कूल में पढना चाहिए।प्रवेश उत्सत्व कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, विधायक सुदेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिन्स राठौर, भाजपा जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव सन्नी महाजन भाजपा मण्डल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति,सुशील ताम्रकार उपास्थित रहे।अतिथियों ने माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पी.एम.श्री महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उ.मा.वि की प्राचार्य श्रीमती रुपश्री नागेश ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर ने प्रवेशोत्सव सहित जिलास्तरीय स्कूलों की वार्षिक शिक्षण परिणाम रिपोर्ट और पीएमश्री स्कूलों में छात्र छात्राओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समुचित जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम को भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने भी संबोधित करते हुए सरकार के द्वारा विद्यार्थियों के लिए संचालित योजनाओं जानकारी और छात्र छात्राओं को पढ़ लिखकर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। अतिथियों के द्वारा पी.एम.श्री महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उ.मा.वि की छात्राओं को साइकिल एवं पुस्तक तथा पुरस्कार वितरण किये गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से तहसीलदार अमित सिंह, डी.पी.सी.आर.आर. उइके, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सुश्री दीपा कीर,संस्था प्राचार्य श्रीमती रुपश्री नागेश एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक जितेंद्र सेन और माधव यादव के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल की छात्राऐं उपस्थित रही।

प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व प्रतिमाओं का कराया नगर भ्रमण, आज होगी प्राण प्रतिष्ठा और भंडारा

सीहोर। नगर के सुदामा नगर स्थित लखन कुशवाहा के बगीचे में स्थित श्री बिल्वेश्वर महादेव मंदिर में भगवान राम, लक्ष्मण और माता सीता की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय कार्यक्रम चल रहा है। कार्यक्रम के चौथे दिन बुधवार को प्रतिमाओं का विधिवत रूप से यज्ञकर्म और फलाधिवास, शैय्या अधिवास कार्यक्रम किए गए। इसके बाद शाम को प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराया गया। चल समारोह की शुरुआत बिल्वेश्वर महादेव मंदिर से हुई इसके बाद छोटी ग्वालटोली, बड़ी ग्वालटोली, राधेश्याम मंदिर सहित प्रमुख मार्गों से होते हुए चल समारोह वापस मंदिर पहुंचा। इस दौरान राम भक्तों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर चल समारोह का स्वागत किया। बिल्वेश्वर महादेव मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि गुरुवार को मंत्रोच्चार के साथ हवन कुंड में आहुतियों के साथ भगवान की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

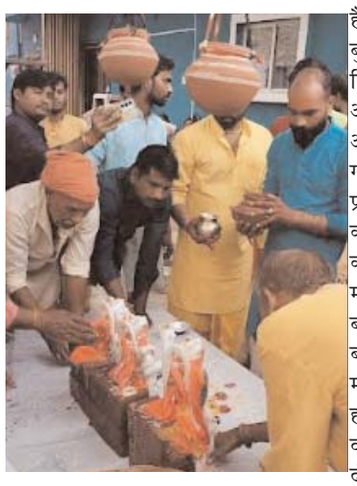

दो मई से आठ मई तक मऊखेड़ी में आयोजित किया जाएगा रुद्र महायज्ञ

सीहोर (निप्र)। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक मंदिरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। अब अप्रैल से मई तक यज्ञ संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे के मार्गदर्शन में सीहोर बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में 19 अप्रैल से श्रीराम महायज्ञ और प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अलावा ग्राम कुलाश में 25 अप्रैल से एक मई, ग्राम मऊखेड़ी में दो मई से आठ मई और रामा खेड़ी में मारुति नंदन महायज्ञ भी दो मई से आठ मई तक आयोजित किया जाएगा। ग्राम मऊखेड़ी तकीपुर में आगामी दो मई से आठ मई तक होने वाले रुद्र महायज्ञ के पूर्व ध्वजारोहण के अलावा भूमि पूजन का कार्य यज्ञ संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया है। इस मौके पर प्रधान यजमान के रूप में जगदीश मंदिर चल समारोह के पूर्व अध्यक्ष सुरेश परमार गब्बर ने तीन लाख 11 हजार की राशि महोत्सव में सहयोग करेंगे। इसके अलावा संपूर्ण ग्राम अपनी ओर से सहयोग कर रहा है। समस्त ग्राम के सहयोग से ग्राम मऊखेड़ी में रुद्र महायज्ञ के साथ भगवान शंकर की प्रतिमा का प्राण-प्रतिष्ठा दिव्य अनुष्ठान समापन किया जाएगा। इस मौके पर प्रसादी का वितरण भी किया जाएगा। पंडित श्री कटारे ने बताया कि हमारे ब्रह्मलीन पिता श्री द्वारा करीब 232 से अधिक मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जा चुका है और हमारे द्वारा भी अब तक 88 से अधिक मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ प्राण-प्रतिष्ठा हो चुकी है और करीब 12 मंदिर निर्माणाधीन है। उन्होंने बताया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्र में मंदिरों के निर्माण कार्य में वह सनातन धर्म के साथ लगे रहते है।

मंदिरों का जीर्णोद्धर के साथ सनातन की सेवा

100 से अधिक मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ अनेक मंदिरों का निर्माण करने का लक्ष्य लेकर चल रहे पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे ने बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक मंदिरों का जीर्णोद्धर किया गया है। मंदिरों का जीर्णोद्धार सनातन धर्म की रक्षा, आध्यात्मिक ऊर्जा के पुनर्स्थापन और सांस्कृतिक धरोहर को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का एक पवित्र कार्य है। यह केवल निर्माण नहीं, बल्कि देवताओं की सेवा, आस्था के केंद्रों का संरक्षण और स्थानीय समुदाय को जोड़कर सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम है, जो आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार, मंदिरों के निर्माण या जीर्णोद्धार में सहायता करना सबसे बड़े पुण्य कार्यों में से एक है।

सांदीपनि विद्यालय मनुबेन मंडी सीहोर में प्राचार्य की सेवानिवृत्ति पर धूम धाम से सम्मान समारोह आयोजित किया गया

सीहोर (निप्र)। शा. सांदीपनि विद्यालय मनुबेन मंडी सीहोर में प्राचार्य दीपसिंह राठौर की सेवानिवृत्ति के अवसर पर समस्त स्टाफ द्वारा धूम धाम से सम्मान समारोह व स्नेह भोज का आयोजन किया गया इस अवसर पर राठोर समाज के अध्यक्ष चंदर सिंह राठौर, कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश बाबा, राजकुमार राठोर, राकेश राठौर तथा प्राचार्य के परिवार के सदस्य एवं उपप्राचार्य प्रकाश सगवालिया,प्रधान अध्यापक श्रीमती रेखा रानी सिंह, रेखा चौहान डॉ. संध्या मिश्रा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए विभिन्न शिक्षकों द्वारा प्राचार्य के कार्यों की प्रशंसा की गई । प्राचार्य द्वारा विधालय को अच्छे से संचालित करने व विभिन्न क्षेत्रों में विधालय को उल्लेखनीय सफलता दिलाने तथा शिक्षा के क्षेत्र में संस्था को विशेष पहचान बनाने के लिए सम्मानित किया गया । संस्था की ओर से अभिनंदन पत्र पढ़कर सुनाया गया व प्रदान किया गया इस अवसर पर वार्ड नंबर 23 के पार्षद प्रतिनिधि दिलीप राठौर भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने प्राचार्य द्वारा विधालय में कराये गये कार्यों की सराहना की अंत में ढोल बाजे के साथ बग्गी में बैठाकर डांस और नाचते हुए खुशी खुशी श्री राठौर को विदाई दी गई ।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थापित किए पशु-पक्षियों के लिए जल पात्र

हस्ताक्षर कर ली जल संरक्षण की शपथ

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अनेक जल संरक्षण एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। भैरूंदा के शासकीय संदीपनी स्कूल में एसडीएम सुधीर कुशवाह, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा अभियान के तहत पशु-पक्षियों के लिए जल पात्र स्थापित किए गए। इस अवसर पर हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत सभी जल संरक्षण पत्र पर हस्ताक्षर किए, पोस्टर बैनर के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया और जल संरक्षण की शपथ ली।

किसान देश का अन्नदाता है, उपार्जन में किसानों को कोई परेशानी न हो : राजस्व मंत्री

10 अप्रैल से शुरु होगी खरीदी, किसानों की सुविधा सर्वोपरि रखने के राजस्व मंत्री ने दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। आगामी 10 अप्रैल से शुरू होने वाले गेहूं उपार्जन को लेकर तैयारियों के संबंध में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले में गेंहूं उपार्जन के लिये आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में कलेक्टर बालागुरू के. ने विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है। उपार्जन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर छाया, पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही तौल कांटों की पर्याप्त व्यवस्था और उनकी नियमित जांच करने के भी निर्देश दिए राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि गेहूं की तौल निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जाए और तौल में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारी किसी भी प्रकार से स्थिति का अनुचित लाभ न उठा सकें, इसके लिए सख्त मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों के साथ शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार किया जाए और सर्वेयर नियमों के अनुसार कार्य करें। किसी भी किसान को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें और यदि कहीं कोई अनियमितता पाई जाए तो तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

डॉ.अम्बेडकर जयंती को लेकर पूर्व नपाध्यक्ष राकेश राय से मिला अनुसूचित जाति समाज समस्याओं से कराया अवगत

सीहोर (निप्र)। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी राकेश राय से अनुसूचित जाति के प्रतिनिधि मण्डल ने भेट कर आगामी 14 अप्रैल डॉ.अम्बेडकर जयंती के सम्बंध में चर्चा की तथा समाज की समस्याओं के सम्बंध में विस्तार से चर्चा की एवं सीहोर जिले में अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग पर हो रहे अत्याचारों से अवगत् कराया। इस अवसर पर सेवादल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र खंगराले जाटव दलित चिंतक ने बताया कि जिला प्रशासन में बैठे अधिकारी दलित पिछड़ा वर्गों की समस्याओं के आवेदन पर कार्यवाही नही करते हैं। कार्यालयों में उनके आवेदन नही लिये जाकर उन्हें सील लगाकर प्राप्ति नही दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे सेवनिया ग्राम में बिना किसी आदेश के पुलिस तथा पटवारी गरिबों की जमीनों पर भारी सांठ-गांठ कर आगे खड़े रहकर तार फेंसिंग कराकर कब्जे कराये जा रहे हैं, जिसकी शिकायत ग्रामीणजनों द्वारा पुलिस अधीक्षक से भी की गई है तथा पीड़ित परिवार को थाने में बैठक कर फर्जी मुकदमा बनाने की धमकी दी जा रही है। इस अवसर पर राकेश राय ने कहा कि ऐसे अधिकारियों को चिन्हित करें समय आने पर सीहोर जिले में बड़ते अन्याय अत्याचार व उत्पीडन् को लेकर प्रदेश के मुख्य मंत्री व गृह मंत्री व वरिष्ठ अधिकारियों से इस सम्बंध में चर्चा की जावेगी।

भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियो का किया सम्मान

तीसरी आंख आपकी कार्यशैली को देखती हैं खरे उतरने पर ही भाजपा पद देती है : नपाध्यक्ष राठौर

सीहोर (निप्र)। भाजपा की तीसरी आंख कार्यकर्ता की कार्यशैली और चरित्र पर नजर रखती है। कर्तव्य समर्पण जनसेवा अनुशासन होने पर ही भाजपा पद प्रदान करती है। पद का मान सम्मान और मर्यादा को बनाए रखना कार्यकर्ता का काम है उक्त बात भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियो के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर ने कही। उन्होंने कहा कि बड़े नेता की परिक्रमा आपको एक बार पद दिला सकती है लेकिन आप खरे नहीं उतरे तो अगली बार आप बाहर हो जाएंगे। नगर पालिका अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 19 के प्रथम जन सेवक पार्षद नरेंद्र राजपूत मित्र मंडली के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला व मंडल पदाधिकारियो का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला महामंत्री पंकज गुप्ता जिला मंत्री प्रीति सोनी जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत,जिला कोषाध्यक्ष हेमलता विजेंद्र परमार, जिला कार्यालय मंत्री आशीष पचौरी, मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति मंडल अध्यक्ष सुशील ताम्रकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण एवं प्रज्वलित कर किया गया। पार्षद नरेंद्र राजपूत के नेतृत्व में दोनों मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियो के द्वारा अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंटकर अंगवस्त्र और फूल मालाए पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए निर्देश जारी, हेल्पलाइन नंबर और वन स्टॉप सेंटर सक्रिय

नागरिक चाइल्ड एवं महिला हेल्पलाइन पर दे सकते हैं बाल विवाह की सूचना

सीहोर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेशभर में व्यापक अभियान संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अवसर पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर तक सतर्कता बढ़ाई जाए तथा प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी रखी जाएगी। ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सक्रिय कर संदिग्ध विवाहों की सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस, प्रशासन, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बाल विवाह की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे बाल विवाह जैसी घटनाओं की जानकारी तुरंत संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर दें। इसके लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा पुलिस आपातकालीन सेवा 112 को सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) को भी पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं, जहां महिलाओं और बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता, परामर्श, आश्रय और कानूनी सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इन केंद्रों

के माध्यम से पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान कर उन्हें सुरक्षा और न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा बाल विवाह कराने या उसमें सहयोग करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध मामले की सूचना तुरंत प्रशासन को देकर बच्चों के सुरक्षित भविष्य में अपनी भागीदारी निभाएं।

स्ट्रीट वेंडर योजना का लाभ नहीं मिलने संबंधी समाचार के संबंध में वस्तु स्थिति

सीहोर (निप्र)। विगत दिवस एक समाचार पत्र में हितग्राही को स्ट्रीट वेंडर योजना का लाभ नहीं मिलने संबंधी समाचार प्रकाशित किया गया था। इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ सुधीर कुमार सिंह ने वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि समाचार पत्र में महिला का नाम मीना मालवीय दर्शाया गया है, जो कि गलत है। संबंधित महिला का सही नाम श्रीमती मीना मेवाड़ा है। नगर पालिका सीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण हेतु आवेदन श्रीमती मीना मेवाड़ा के नाम से नहीं, बल्कि उनके पति कमल सिंह द्वारा किया गया है। कमल सिंह द्वारा पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत 15000 रुपए के ऋण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस आवेदन को निकाय द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण कर बैंक ऑफ इंडिया की सीहोर शाखा को प्रेषित किया जा चुका है और आवेदक को ऋण उपलब्ध कराने हेतु बैंक से सतत संपर्क किया गया है एवं बैंक द्वारा प्रकरण को प्रक्रियाधीन बताया गया है। उन्होंने बताया कि इस ऋण आवेदन पर निकाय स्तर पर कोई भी कार्यवाही लंबित नहीं है, शेष समस्त कार्यवाही बैंक द्वारा की जानी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com